तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय मुज़फ़्फ़रनगर
विद्यालय ई-पत्रिका
सत्र 2020-21

Ph No.- 0131-2620297

E-mail ID – kvmzn5@gmail.com

Website- https//:muzaffarnagar.kvs.ac.in

संपादक मण्डल

मुख्य संरक्षक

श्री चंद्रशेखर आजाद

उपायुक्त,

के.वि.सं. , आगरा संभाग

संरक्षक

श्री ब्रिजेशपाल सिंह

प्राचार्य ,

के.वि. मुज़फ्फरनगर

प्रधान संपादक

ओम प्रकाश

स्नातकोत्तर शिक्षक

संपादक

1. श्री आदेश कुमार , स्नातकोत्तर शि. प्रथम पाली
2. श्री आशीष भटनागर, प्र.स्ना. शि. प्रथम पाली
3. श्रीमती संतोष कन्नौजिया, प्र.स्ना. शि. प्रथम पाली
4. श्रीमती शिखा, प्र.स्ना. शि. प्रथम पाली
5. श्री विनोद कुमार, प्र.स्ना. शि. प्रथम पाली
6. श्री दशरथ मीणा प्र.स्ना.शि. द्वितीय पाली
7. श्री आलम टिग्गा प्र.स्ना.शि. द्वितीय पाली
8. श्रीमती योगिता शर्मा प्रा. शि. प्रथम पाली

विद्यार्थी संपादक

1. कुमारी सृष्टि , XII A
2. कुमारी नेहा गौतम XIIB
3. कु. मोहिनी सिंह XI A
4. कु. मनस्वी चौधरी XI B

साज सज्जा एवं कवर

श्री दीपक शर्मा

संदेश.....

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर द्वारा अपनी वार्षिक ई-पत्रिका 2020-21 का प्रकाशन करवाया जा रहा है।

समग्र संभावनाओं से समन्वित बाल कलाकारों एवं सुधी शिक्षकों के भाव एवं विचारों का प्रतिबिंब स्वरूप विद्यालय की वार्षिक ई-पत्रिका आपके समक्ष है । किसी भी विद्यालय की पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है। उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक, शैक्षणिक,खेलकूद एवं अनेक रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि का भी पता चलता है। विद्यालय पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि शिक्षार्थियों के समुचित सकारात्मक, सर्वांगींण एवं सृजनात्मक विकास हेतु विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है।

पत्रिका प्रकाशन पर मैं उन सभी अभिभावकों ,शिक्षार्थियों ,शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, जिन्होंने पत्रिका हेतु अपनी रचनाएं एवं कलाकृतियाँ प्रकाशनार्थ देकर प्रोत्साहित किया है, उन सभी के प्रति विनम्र साधुवाद ज्ञापित करता हूँ। पत्रिका के संपादक तथा संपादक मण्डल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। इस ई-पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित सृजनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं बाल कलाकारों में से भविष्य में कुछ अच्छे चित्रकार, पत्रकार, लेखक व कवि रुप में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होंगे। यह मेरा सहज विश्वास है।

स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में-

“ उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। “

शुभकामनाएं।

चन्द्रशेखर

उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
आगरा संभाग, आगरा

चंद्र भूषण सिंह आई. ए. एस.

जिला मजिस्ट्रेट

एवं

अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

संदेश.....

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य छात्र-छात्राओं का शारीरिक एवं मानसिक विकास करते हुए समाज का संवेदनशील नागरिक बनाना है। यह तभी संभव हो सकता है, जब उनको व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाकलापों में प्रतिभागिता हेतु अवसर दिया जाता है। मुझे बेहद प्रसन्नता है कि केन्द्रीय विद्यालय मुज़फ़्फ़रनगर वार्षिक ई-पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों में सृजन कौशल के विकास हेतु सक्रिय है। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों को रचनात्मकता की ओर ले जायेगा , जहाँ कविता,कहानी,निबंध, यात्रा साहित्य, अनुच्छेद लेखन एवं चित्रकला का सृजन होगा। विद्यालय ई-पत्रिका निश्चित रूप से विद्यार्थियों की अंतर्निहित योग्यताओं का प्रतिबिंब होगी।

मैं विद्यालय के प्राचार्य श्री बृजेश पाल सिंह, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षार्थियों को विद्यालय ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन की असीम शुभकामनाएँ ।

चंद्र भूषण सिंह आई.ए.एस
अध्यक्ष, वि.प्र.समिति
के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

विद्यालय प्रबंध समिति
Vidyalaya Management Committee
केन्द्रीय विद्यालय Kendriya Vidyalaya
मुज़फ़्फ़रनगर Muzaffarnagar

आलोक यादव आई. ए. एस.

मुख्य विकास अधिकारी

एवं

अध्यक्ष नामित, विद्यालय प्रबंधन समिति

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

संदेश ....

विद्यालय पत्रिका विद्यालय गतिविधियों का प्रतिबिंब होती है। विद्यालय सक्रियता एवं रचनात्मकता की झलक देखने को मिलती है। विद्यालय पत्रिका बच्चों को अपनी प्रतिभा , योग्यता एवं रचनात्मकता की अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती है।

बच्चे विभिन्न गतिविधियों (कविता, कहानी, एकांकी , संस्मरण, निबंध, अनुच्छेद, अनुभव, ड्रॉइंग, पेंटिंग, कार्यानुभव , नवीन प्रयोग) के माध्यम से अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का परिचय देते हैं। विद्यालय द्वारा पत्रिका का ई-प्रकाशन कागज़ की बचत एवं पेड़ संरक्षण की दृष्टि से सराहनीय प्रयास है। विभिन्न माध्यमों में बच्चों के मनोभावों की सृजनात्मक, कल्पनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति सराहनीय होगी ।

मैं ऐसी आशा करता हूं कि बच्चों की यही सृजनात्मक शक्ति भविष्य में समाज सेवक, चिंतक, वैज्ञानिक ,चिकित्सक, कवि –लेखक के रूप में उभरकर देश प्रगति में सहायक सिद्ध होगी ।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बृजेशपाल सिंह ,संपादक मंडल, सभी शिक्षक- शिक्षिका एवं छात्र-छात्राओं को विद्यालय ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन की अनंत शुभकामनाएँ ।

आलोक यादव आई. ए. एस.
मुख्य विकास अधिकारी
अध्यक्ष नामित, विद्यालय प्रबंधन समिति
केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

अध्यक्ष, नामित/Chairman, Nominee
विद्यालय प्रबन्ध समिति
Vidyalaya Management Committee
केन्द्रीय विद्यालय/Kendriya Vidyalaya
मुज़फ़्फ़रनगर/Muzaffarnagar

संदेश.....

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि सत्र 2020-21 की विद्यालय पत्रिका का ई- प्रकाशन करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। यह पत्रिका बाल कलाकारों एवं शिक्षाविदों की भावनाओं, विचारों एवं अंतर्निहित क्षमताओं का साकार स्वरूप है। विद्यालय पत्रिका विद्यालय की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है। विद्यार्थियों को अधिगम के समान अवसर उपलब्ध कराना एवं उनमें निहित योग्यताओं का विकास करने के लिए विद्यालय अनवरत प्रयत्नशील है। आज का विद्यार्थी आने वाले कल का आदर्श नागरिक है , राष्ट्र का गौरव है । अत: शिक्षार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

विद्यालय पत्रिका का उद्देश्य शिक्षार्थियों की सृजनात्मक क्षमताओं एवं योग्यताओं को मंच उपलब्ध कराना है । प्रस्तुत पत्रिका में प्रकाशित बाल रचनाकारों की रचनाएं निश्चित रूप से हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी साहित्य की विभिन्न विधाओं का रसपान कराने में सक्षम होंगी।

विद्यार्थियों की सृजनात्मक शक्ति संवेदन शीलता, कल्पना, एकता ,राष्ट्र प्रेम एवं विश्व बंधुत्व की भावना से समन्वित है। छात्र-छात्राओं की अप्रतिम प्रस्तुतियों गतिविधियों एवं कलाकृतियों को सभी सुधी पाठकों की सहज संवेदना स्वरूप स्नेह सुलभ होगा , ऐसा मेरा सहज विश्वास है।

विद्यालय ई- पत्रिका के प्रकाशन में जिन शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग रहा है, वे सभी साधुवाद के पात्र हैं।

सभी शिक्षार्थियों को सुन्दर,सुखद,सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं ।

कविवर बिहारी जी के शब्दों में –

"नर की और नल नीर की गति एकै करि जोइ ।

जैतौ नीचौ व्है चले, तेतौ ऊँचौ होइ ।।"

प्राचार्य/Principal
केन्द्रीय विद्यालय
Kendriya Vidyalaya
मुजफ्फरनगर (उ० प्र०)
Muzaffarnagar (U.P.)

बृजेशपाल सिंह
प्राचार्य

संपादक

की कलम से.....

विद्यालय पत्रिका शिक्षण एवं शिक्षणेतर विद्यालयी क्रियाकलापों का प्रतिबिंब होती है,

जिससे विद्यार्थियों की शारीरिक एवं मानसिक दक्षताओं का पता चलता है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति, सृजनात्मकता एवं संवेदनशीलता के भाव का विकास कर उनको समुचित दिशा प्रदान करते हुए समाज का आदर्श नागरिक बनाना है।

प्रस्तुत पत्रिका में विद्यार्थियों ने हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषा में साहित्य की विभिन्न विधाओं जैसे कि कहानी, कविता ,अनुच्छेद, यात्रा साहित्य, पर्यावरण परक लेख रचना द्वारा रचनात्मकता का परिचय दिया है, जिनसे सहयोग, सम्मान, स्नेह, सत्य , स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण, एकता, अखंडता, करुणा, अहिंसा , भाईचारा एवं देश प्रेम की भावना का संदेश मिलता है।

मैं सुधी पाठकों से अनुरोध करना चाहूंगा कि रचनाओं को पढ़कर उनमें निहित संवेदनाओं को अंगीकार करते हुए त्रुटियों को नज़र अंदाज कर बाल कलाकारों का अपना शुभाशीष प्रदान करें।

अंत में मैं प्राचार्य महोदय श्री ब्रिजेश पाल सिंह जी का हार्दिक साधुवाद करता हूं,जिनका समय-समय पर समुचित मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा । मैं संपादक मंडल एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी धन्यवाद ज्ञापन करता हूं ,जिनके अथक प्रयास से ई-पत्रिका प्रकाशन कार्य समय पर संभव हो सका।

सभी बाल कलाकारों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन ।

ओम प्रकाश गोस्वामी
स्नातकोत्तर शिक्षक
(हिन्दी)

विद्यालय के होनहार

ARJUN XII A	VAIBHAV SINGH XII A	VASHITVA GAUTAM XII A
98.2% , 491/500 (SCIENCE)	97.4%, 487/500 (SCIENCE)	95.6%,478/500 (SCIENCE)

JIYA DUA XII B	ANSH TYAGI XII B	PARAG SAINI XII B
90.2%,451/500 (COMMERCE)	90% 450/500 (COMMERCE)	88%,439/500 (COMMERCE)
REHAN MALIK X A	VANSHIKA SHARMA X B	TOOBA BATOOL X B
93.2%, 466/500	90.6%, 453/500	90.4%, 452/500

HARSHIT BENIWAL X SHIFT II	PANTH UPADHYAY X SHIFT II	PARI VATS X SHIFT II	PUNIT PAL X SHIFT II
88.4% , 442/500	88.2% , 441/500	88.2% , 441/500	87.4% , 437/500

विद्यालय गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च 2021

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमंते तत्र देवता ''

केन्द्रीय विद्यालय, मुज़फ़्फ़रनगर(उ.प्र.)

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(08 मार्च 2021)

BADGE OF HONOUR

सुश्री/ श्रीमती .....को

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

'' यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते,रमन्ते तत्र देवता।''

दिनांक :- 08-03-2021

शुभेच्छु

(ब्रिजेश पाल सिंह)

प्राचार्य

परीक्षा पर चर्चा

MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
PARIKSHA PE CHARCHA 2021
my GOV मेरी सरकार
Certificate of Participation
This is to certify that
Iskanda Manglik
has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2021.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to PPC 2021! Keep participating!
Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
PARIKSHA PE CHARCHA 2021
my GOV मेरी सरकार
Certificate of Participation
This is to certify that
Arham Khan
has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2021.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to PPC 2021! Keep participating!
Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
PARIKSHA PE CHARCHA 2021
my GOV मेरी सरकार
Certificate of Participation
This is to certify that
Mohini Singh
has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2021.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to PPC 2021! Keep participating!
Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
PARIKSHA PE CHARCHA 2021
my GOV मेरी सरकार
Certificate of Participation
This is to certify that
Prerna Malik
has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2021.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to PPC 2021! Keep participating!
Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

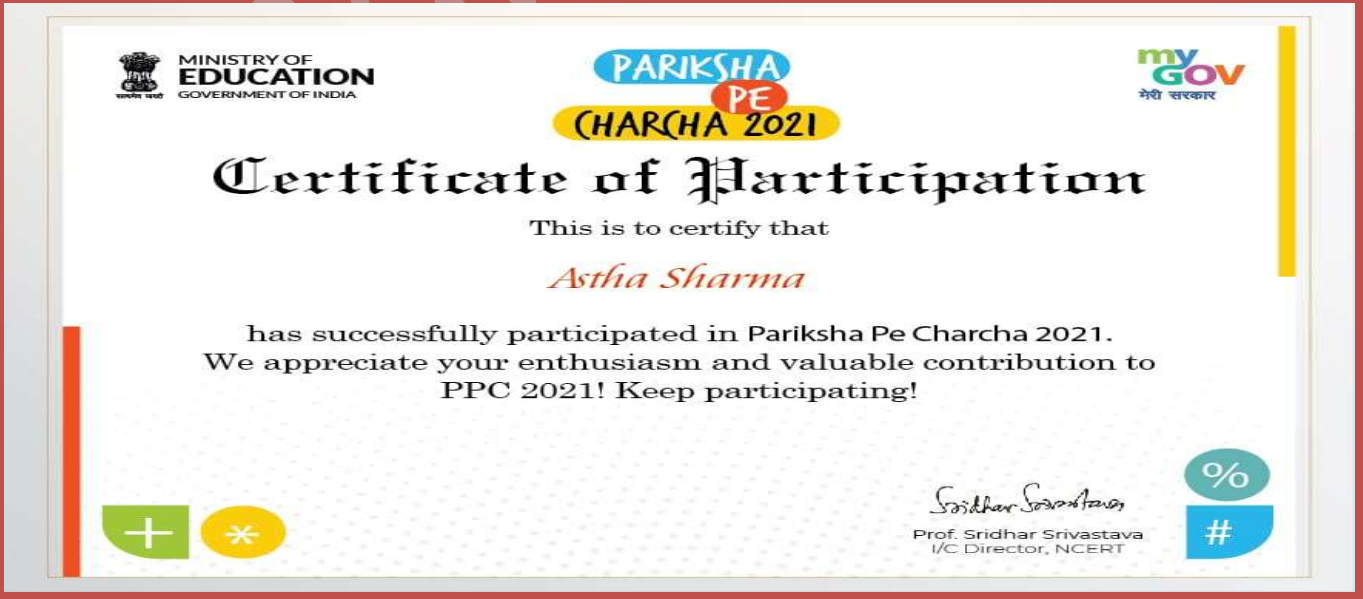
MINISTRY OF EDUCATION GOVERNMENT OF INDIA
PARIKSHA PE CHARCHA 2021
my GOV मेरी सरकार
Certificate of Participation
This is to certify that
Astha Sharma
has successfully participated in Pariksha Pe Charcha 2021.
We appreciate your enthusiasm and valuable contribution to PPC 2021! Keep participating!
Prof. Sridhar Srivastava
I/C Director, NCERT

योग दिवस

अनुपम गोस्वामी कक्षा 5 A
केंद्रीय विद्यालय मुजफ्फरनगर
प्रथम पाली

अनुराग गोस्वामी कक्षा 3A
केंद्रीय विद्यालय मुजफ्फरनगर
प्रथम पाली

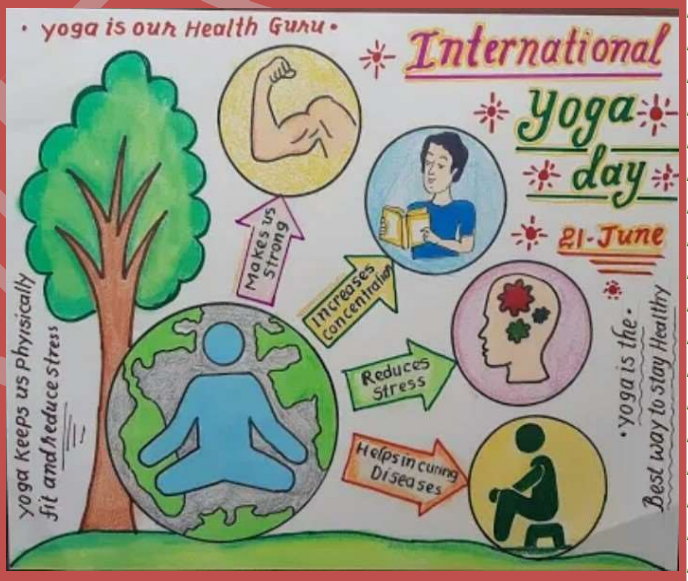

yoga is our Health Guru
International
Yoga
day
21-June
Makes us Strong
Increases concentration
Reduces Stress
Helps in curing Diseases
yoga keeps us physically fit and reduce stress
yoga is the Best way to stay Healthy

हिन्दी अनुभाग

"मां "

मां की ममता ईश्वर का वरदान है।
सच सच पूछो तो मां इंसान नहीं भगवान है।
मां के चरणों में जन्नत का हर रूप होता हैं।
मां ईश्वर का स्वरूप होता है।

मां जो हर बच्चे की दिल की चाह होती है।
मुसीबत में एक नई राह होती है जो हर किसी के करीब नहीं होती
जो हर किसी को नसीब नहीं होती
मां की अहमियत उनसे पूछो

जिनकी मां नहीं होती
जो हर बच्चे की जान होती है।
हर रिश्ते की मान होती है।
सभी का एकमात्र आसमान होती है।

हर किसी को मां की ममता मिले
अपनी मां से कभी कोई ना बिछड़े
मेरी एकमात्र दुआ उस खुदा से
जिनकी मां हो उसे क्या पता

कि मां क्या होती है
मां को जानना है तो उनसे पूछो
जिनकी मां नहीं होती है।

मनस्वी चौधरी
कक्षा 11 B
सदन अशोक प्रथम पाली

कोरोना से डरो ना

कल रात सपने में आया करो ना
उसे देख जो मैं डरी मुस्कुरा के बोला,
मुझसे डरो ना.....

उसने कहा -कितनी अच्छी है तुम्हारी संस्कृति।
ना चूमते, ना गले लगते
दोनों हाथ जोड़कर वह स्वागत करते ,
मुझसे डरो ना .....

कहां से सीखा तुमने
रूम स्प्रे बॉडी स्प्रे
पहले तो तुम धूप ले लेते
वही करो ना
मुझसे डरो ना.....

शुरू से तुम्हें सिखाया गया
अच्छे से हाथ पैर धो कर घर में घुसो,
मत भूलो अपनी संस्कृति
वही करो ना
मुझसे डरो ना

उसने कहा सादा भोजन उच्च विचार
यही तो है तुम्हारे संस्कार।
उन्हें छोड़ जंक फूड फास्ट फूड के चक्कर में पढ़ो ना
मुझसे डरो ना.....

उसने कहा शुरू से ही जानवरों को पाला पोसा तुमने
रक्षण की है तुम्हारी संस्कृति, उनका भक्षण करो ना
मुझसे डरो ना .....

कल रात सपने में आया कोरोना
बोला मुझसे डरो ना।

मनस्वी चौधरी
कक्षा- 11 (ब) प्रथम पाली

सफर में धूप तो होगी, जो चल सको तो चलो...

सफ़र में धूप तो होगी जो चल सको तो चलो
सभी हैं भीड़ में तुम भी निकल सको तो चलो

किसी के वास्ते राहें कहाँ बदलती हैं
तुम अपने आप को ख़ुद ही बदल सको तो चलो

यहाँ किसी को कोई रास्ता नहीं देता
मुझे गिरा के अगर तुम सँभल सको तो चलो

यही है ज़िन्दगी कुछ ख़्वाब चन्द उम्मीदें
इन्हीं खिलौनों से तुम भी बहल सको तो चलो

अर्पित तायल
कक्षा-11ब प्रथम पाली

एक मां।

भगवान का दूसरा रूप है "मां"
उनके लिए दे देंगे जा,
हमको मिलता जीवन उनसे,
कदमों में है स्वर्ग बसा,
हमारी खुशी में खुश हो जाती,
दुःख में हमारे आंसू बहाती,
कितने खुश नसीब हैं हम,
पास हमारे यह मां ।

नाम-. हर्ष सैनी
कक्षा- 11 A प्रथम पाली

हिंदी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ॐ है
मेरी हिंदी भाषा भी, इसी ॐ कि देन है।
देवनागरी लिपि है इसकी, देवो की कलम से उपजी
बंगला, गुजरती, भोजपुरी, डोगरी, पंजाबी और कई
हिंदी ही है इन सब की जननी ।

प्रकृति का हर एक चीज़ अपने मे सम्पूर्ण है ।
जो बोलते हैं वहीं लिखते हैं।
मन के भाव सही उभरते है।
हिंदी भाषा ही तुम्हें प्रकृति के समीप ले जाएगी,
मन कि शुद्धि तन कि शुद्धि, सहायक यह बन जाएगा ।

कुछ हवा चली है ऐसी यहाँ
कहते है इस मातृभाषा को बदल डालो।
बदल सको क्या तुम अपनी माता को ?
मातृभाषा का क्यों बदलाव करो।
देवो की भाषा का क्या तुम तिरस्कार करो ।

बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो
हर एक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो ।
हिंदी कि जडो पर आओ हम गर्व करें।
हिंदी भाषा पर आओ हम गर्व करें।

नाम:- अक्षिता बंसल
कक्षा:- 11 ब
सदन :- अशोक प्रथम पाली

खामोशी

मासूम आवाजे है करोड़ों,
पर शब्द हैं सिर्फ मेरे।
मेरे शब्दों में समझना उनकी कशमकश,
क्यों लगें हैं शब्दों पर पहरे।

नाजाने कहाँ गुम हो गए,
वो खिलखिलाते चहरे।
पहले मैं सबसे कहा करती थी,
काम पर क्यों न जाए रात में ,

क्यों जाए सिर्फ सवेरे।
पर आज कल मेरी रूह मुझसे कहा करती हैं,
कौन है ये, क्यों तु इसके जुल्म सहा करती हैं,
हिम्मत नहीं है मुझमें कि बता दूँ उस नादाँ को,
कि क्यों अब मेरे भीतर सिर्फ खामोशी रहा करती हैं।।

समीक्षा, 11 'अ'
शिवाजी सदन प्रथम पाली

काश जिंदगी एक किताब होती

काश जिंदगी एक किताब होती
काश ,जिंदगी सचमुच किताब होती
पढ़ सकती मैं कि आगे क्या होगा ?
क्या पाऊँगी मैं और क्या दिल खोएगा ?
कब थोडी खुशी मिलेगी ,कब दिल रोएगा ?

काश जिंदगी सचमुच किताब होती ,
फाड़ सकती मैं उन लम्हों को
जिन्होंने मुझे रुलाया है ...

जोड़ती कुछ पन्ने जिनकी यादों ने मुझे हँसाया है ...
खोया और कितना पाया है ?
हिसाब तो लगा पाती कितना

काश जिंदगी सचमुच किताब होती ,
वक्त से आँखें चुराकर पीछे चली जाती ...
टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाती
कुछ पल के लिए मैं भी मुस्कुराती ।
काश , जिंदगी सचमुच किताब होती ।

नाम- शगुन सिंह
कक्षा- 11 'ब' प्रथम पाली

महाभारत कथा प्रश्नोत्तरी

1. महाराजा शांतनु की कितनी रानियां थी ?

उत्तर - दो (गंगा और सत्यवती)

2. सत्यवती के कितने पुत्र थे ?

उत्तर - दो (चित्रांगद और विचित्रवीर्य)

3. देवव्रत किसके पुत्र थे ?

उत्तर - महाराज शांतनु और उनकी पहली पत्नी गंगा के आंठवे पुत्र का नाम देवव्रत था ।

4. विचित्रवीर्य के कितने पुत्र थे ?

उत्तर - दो (धृतराष्ट्र और पांडु)

5. धृतराष्ट्र और पांडु की कितनी रानियां और कितने पुत्र थे ?

उत्तर - धृतराष्ट्र - गांधारी (रानी)
और 100 पुत्र, पांडु - दो रानियां (कुंती और माद्री) और 05 पुत्र ।

विशेष मिश्रा
कक्षा - 6 वर्ग - ब प्रथम पाली

के.वि. मुजफ्फरनगर

करके ऐसा काम दिखा दो

करके ऐसा काम दिखा दो, जिस पर गर्व दिखाई दे।
इतनी खुशियां बाटो सबको, हर दिन पर्व दिखाई दे।
हरे वृक्ष जो काट रहे हैं, उन्हें खूब धिक्कारों।
खुद भी पड़े लगाओ इतने, धरती स्वर्ग दिखाई दे।
करके ऐसा काम दिखा दो...

कोई मानव शिक्षा से भी, वंचित नहीं दिखाई दे।
सरिताओं में कूड़ा-करकट, संचित नहीं दिखाई दे।
वृक्ष रोपकर पर्यावरण का, संरक्षण ऐसा करना।
दुष्ट प्रदूषण का भय भू पर, किंचित नहीं दिखाई दे।
करके ऐसा काम दिखा दो...

हरे वृक्ष से वायु प्रदूषण का, संहार दिखाई दे।
हरियाली और प्राणवायु का, बस अंबार दिखाई दे।
जंगल के जीवो के रक्षक, बनकर तो दिखला दो।
जिससे सुखमय प्यारा-प्यार, ये
संसार दिखाई दे।
करके ऐसा काम दिखा दो।

विदिषा
कक्षा 7 अ प्रथम पाली

धन्यवाद

धन्यवाद है उनको
जिसने जीवन आसान किया है
हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई
सबको मान दिया है।
डाक्टर, नर्स, सफाईकर्मी
या हो सैनिक वर्दीवाला

के.वि. मुजफ्फरनगर

दूध, सब्जी, बिजली, पानी
या हो टीवी, रेडियो, पेपरवाला
डाल के खुद को खतरे में
जग का सम्मान किया है
धन्यवाद है उनको
जिसने जीवन आसान किया है।
लेकिन कुछ ऐसे भी हैं
जो रजनीति करते हैं
अपनी जिद के आगे
परेशान सभी को करते हैं
थू-थू ऐसे लोगों का
जिसने अपमान किया है
धन्यवाद है उनको
जिसने जीवन आसान किया है।
मिलकर तोड़ें चेन
कोरोना वायरस दूर भगाएं
रहें घरों में अपने हम
सबको स्वस्थ बनाएं
पीएम ने भी हम सब की खातिर
यह संकल्प दिया है
धन्यवाद है उनका
जिसने जीवन आसान किया है।

आर्यन कुमार
कक्षा — 11 A प्रथम पाली

पिता का प्यार

पिता एक ढाल है।
जिसके कंधे पर झूलते
हम उसके वो लाल हैं
जिसके गोद मैं खेल कर बड़े हुए
जिसने हमें ऊंचाइयों को

छूने के काबिल बनाया
वो पिता का बेशुमार प्यार है
दुनिया तो रंगीन है
पर पिता का प्यार
वह रंग है जिसके बिना
हमारी दुनिया बेरंग है।
पिता वह है जो
अपनी बेटी को अपने हाथों से बड़ा करता है
फिर एक समय आने पर
अपने ही हाथों से बेटी को विदा करता है
उस समय उसकी
कोमल आंखों से
वे छलके आंसू
जो पूरी दुनिया को छिन्न-भिन्न करता है
पिता के लिए अपनी बेटी को
खुद से दूर करना आसान नहीं होता।
और पिता के बिना बेटी की जिंदगी में
किसी चीज का मोल नहीं होता।

नाम-तनु
कक्षा-11 (ब) प्रथम पाली

आज का ज्ञान

आप एक पत्थर लीजिए और कुत्ते को मारिए , आप देखेंगे कि कुत्ता डर कर भाग जाएगा।
ऐसे ही पत्थर लीजिए और मधुमक्खी के छत्ते पर मारी, फिर देखिएगा आपका क्या हाल करती है मधुमक्खी।
पत्थर वही है और आप भी वही है, बस फर्क इतना सा है कि कुत्ता अकेला था और मधुमक्खी समूह में, एकजुटता, एकता में ही शक्ति है. अगर हम एकजुट नहीं हुए तो ना तो हमारा देश बदलेगा और ना ही हमारा अपना समाज और ना हम।

आस्था सिंह
8 ब, सदन- रमन प्रथम पाली

हिंदी

जन-जन की भाषा है हिंदी
भारत की आशा है हिंदी।
जिसने पूरे देश को जोडे रखा है
वो मजबूत धागा है हिंदी।

हिंदुस्तान की गौरव गाथा है हिंदी
एकता की अनुपम परंपरा है हिंदी।
जिसके बिना हिंद जय जाए
ऐसी जीवन रेखा है हिंदी।

जिसने काल को जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी।
सरल शब्दों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी।

नाम: सृष्टि
कक्षा:'१२-अ'
सदन: अशोक प्रथम पाली

कहानी एक गरीब बच्चे की

एक बार एक गरीब बच्चा था ।
वह बच्चा बहुत बुद्धिमान था।
उस बच्चे का नाम रोहन था ।
रोहन स्कूल नहीं जा पाता था,क्योंकि
उसके माता , पिता बहुत गरीब थे ।
वो लोग एक झुग्गी में रहते थे ।
उसकी झुग्गी के पास एक किताब वाले की
दुकान थी , रोहन रोज़ रोज़ उस दुकान
के पास खड़ा हो कर देखता था।
एक दिन दुकान वाले ने रोहन से पूछा , बच्चे तुम रोज -रोज यहां पर क्यों
आते हो ? रोहन ने जवाब दिया ,अरे

हिंदी मुज़फ़्फ़रनगर

चाचा जी ! मेरे पास किताब नहीं है, क्योंकि
मेरे माता-पिता गरीब है ।
वह किताब वाला अच्छा था । उसने बोला ,
"तुम्हारा नाम क्या है ? बच्चा बोला , मेरा नाम रोहन है। दुकानदार बोला "अच्छा रोहन आज से तुम स्कूल जाया करोगे मैं तुम्हें स्कूल भेजूंगा और तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊगा जब तक तुम्हारी नौकरी नहीं लग जाती"। तो उस दिन से रोहन रोज स्कूल जाने लगा । रोहन हर
कक्षा में टॉप करता था।धीरे धीरे पढाई करके वह इंजीनियर बन गया।
उस दिन से उसके माता पिता बहुत
खुश थे।

शिक्षा :- हमें इस कहानी से ये सीख मिलती है कि हमें हर गरीब की मदद करनी चाहिए।

अनुपम गोस्वामी
कक्षा 4 ए प्रथम पाली

ओ कोरोना तू कहां से आया।

सब कुछ हो गया पराया पराया।
तेरा आना किसी को ना भाया।
मम्मी बोले हाथ धोए।
घर से बाहर कहीं ना जाए।
सखा सहेली सब भूल जाए।
स्कूल की टीचर की याद सताए।
नानी का घर हमें बुलाए।
शोपिंग के लिए मन ललचाए।
बर्थडे फीका फीका पड़ जाए।
ओ कोरोना तू बता हम छोटे छोटे बच्चे कैसे अपना दिल बहलाए।
तेरा भय इतना सताए।
कोरोना तुझसे नहीं डरते हम।
हममें है तुझसे लड़ने का दम।
सोशल डिसटेंसिंग निभाएंगे।
गुड सिटिज़न बनकर दिखाएंगे।
सरकार के रूल्स अपनाएंगे।
घर मे बैठकर तुझे हराएंगे
और फिर अपना जीवन खुशहाल बनाएंगे ।

आरोही
कक्षा-4 अ प्रथम पाली

कोरोना वायरस क्या है?

कोरोना वायरस (सीओवी) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्लूएचओ के मुताबिक बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं।

* क्या हैं इससे बचाव के उपाय?

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।
इनके मुताबिक हाथों को साबुन से धोना चाहिए।
अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।
खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढंककर रखें।
जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों, उनसे दूरी बनाकर रखें।
अंडे और मांस के सेवन से बचें।
जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

* कोरोना का संक्रमण फैलने से कैसे रोकें?

सार्वजनिक वाहन जैसे बस, ट्रेन, ऑटो या टैक्सी से यात्रा न करें।
घर में मेहमान न बुलाएं।
घर का सामान किसी और से मंगाएं।
ऑफ़िस, स्कूल या सार्वजनिक जगहों पर न जाएं।
अगर आप और भी लोगों के साथ रह रहे हैं, तो ज़्यादा सतर्कता बरतें।
अलग कमरे में रहें और साझा रसोई व बाथरूम को लगातार साफ़ करें।
14 दिनों तक ऐसा करते रहें ताकि संक्रमण का ख़तरा कम हो सके।
अगर आप संक्रमित इलाक़े से आए हैं या किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहे हैं तो आपको अकेले रहने की सलाह दी जा सकती है। अत: घर पर रहें।

* मास्क कौन और कैसे पहनें?

अगर आप स्वस्थ हैं तो आपको मास्क की जरूरत नहीं है।
अगर आप किसी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति की देखभाल कर रहे हैं, तो आपको मास्क पहनना होगा।
जिन लोगों को बुखार, कफ या सांस में तकलीफ की शिकायत है, उन्हें मास्क पहनना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

* मास्क पहनने का तरीका :-

मास्क पर सामने से हाथ नहीं लगाना चाहिए।
अगर हाथ लग जाए तो तुरंत हाथ धोना चाहिए।
मास्क को ऐसे पहनना चाहिए कि आपकी नाक, मुंह और दाढ़ी का हिस्सा उससे ढंका रहे।
मास्क उतारते वक्त भी मास्क की लास्टिक या फीता पकड़कर निकालना चाहिए, मास्क नहीं छूना चाहिए।
हर रोज मास्क बदल दिया जाना चाहिए।

नाम - प्रेरणा मलिक
कक्षा - 11 अ प्रथम पाली

"मेरी रुचि"

1. रूचि एक खाली समय में किए जाने वाली गतिविधि है।
2. यह हमारे प्रति-दिन के दबाव से बचने में मदद करती है |
3. मेरी पसंदीदा रुचि खाली समय में आनन्द से भरपूर,ज्ञानवर्धक पुस्तकों को पढ़ना है।
4. पुस्तक को पढ़ने से कोई भी व्यक्ति अकेला और परेशान नहीं रह सकता।
5. जो पुस्तक पढ़ने में रुचि रखते हैं ,उनके लिए पुस्तकें अच्छे मित्र की तरह होती हैं।
6. पुस्तक पढ़ने की आदत को किसी के भी द्वारा प्रयास करने से प्राप्त किया जा सकता है।
7. हमारी रुचि हमें जीवन के प्रति-दिन की भागदौड़ से अलग रखकर हमारे मस्तिष्क को ताजा और शांत बनाती हैं।
8. रुचि आनंद, मनोरंजन और ज्ञान प्राप्ति का सबसे अच्छा साधन है।
9. इसके द्वारा हम समय का सदुपयोग भी कर पाते हैं।

शौर्य
कक्षा-8 'अ' प्रथम पाली

माँ

यह एक शब्द है,
जिस को भगवान ने बहुत सोच - विचार कर बनाया होगा 'माँ'

जिसका कोई अर्थ नहीं,
फिर भी बिन बोले बहुत कुछ कह जाता है यह शब्द माँ

जब कोई रोता है,
तो सबसे पहले उसके मुंह से यही शब्द निकलता है माँ

और कहते हैं कि जब कोई इस दुनिया में आता है,
तो उसके मुंह से भी सबसे पहले निकलता है माँ

हर सुख - दुख में सबसे पहला साथ होती है माँ,
क्योंकि यह है मेरी तुम्हारी, हम सबकी माँ |

रिदिम गर्ग
कक्षा 12 अ प्रथम पाली

केन्द्रीय मुजफ्फरनगर

स्कूल के दिन

ना जाने हम कब बड़े हो गए?
स्कूल के दिन न जाने कहा खो गए?
दोस्तो की बातें जब भी याद आती है,
आंखों में नमी सी छा जाती है।

वो दोस्तो की गपसप, वो दोस्तो से लड़ना।
टीचर के डाटने पर, छुप-छुप कर हंसना।
हर राह में दोस्तो का साथ निभाना।
सही और गलत की पहचान कराना।

वो अपना लंच छुपा कर खाना।
वो दोस्तो का लंच झट से चट कर जाना।
वो दोस्त के बीमार होने पर, उसको देखने जाना।
वो उसका छुटा हुआ होमवर्क, खुद करके टीचर को दिखाना।

कभी-कभी कोई बहाना बनाकर स्कूल न जाना।
और स्कूल जाते ही छुट्टी होने की राह देखना।
कोई शरारत करके मासूम सा चेहरा बनाना।
सबसे छुपकर क्लास में शैतानी करना।

कभी-कभी किसी दोस्त को मिलकर सताना।
अपने दोस्त के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाना।
दोस्त के साथ हर दिन स्कूल आना।
कभी कभी घर देर से पहुचनें पर मां की डांट खाना।

वो स्कूल के पल लौट कर न आएगे।
हम बस उनको याद करके ही खुश हो जाएंगे।।।।

प्रेरणा
कक्षा 12 ' ब ' प्रथम पाली

मंजिल पर जल्दी पहुचने की कोशिश न कर

तू जिंदगी को जी,
उसे समझने की कोशिश न कर।

सुंदर सपनो के ताने बाने बुन,
उसमे उलझन की कोशिश न कर।

चलते वक्त के साथ तु भी चल,
उसमें सिमटने की कोशिश न कर।

अपने हाथो को फैला, खुलू कर साँस ले,
अंदर ही अंदर घुटने की कोशिश न कर।

मन में चल रहे युद्ध को विराम दे,
खामख्वाह खुद से लड़ने की कोशिश न कर।

कुछ बाते भगवान् पर छोड़ दे,
सब कुछ खुंद सुलझाने की कोशिश न कर।

जो मिल गया उसी में खुश रह,
जो सूकून छीन ले वो पाने कोशिश न कर।

रास्ते की सुंदरता का लुफ्त उठा,
मंजिल पर जल्दी पहुचने की कोशिश न कर।।।

प्रेरणा
कक्षा 12 ' ब ' प्रथम पाली

सपने.....

हर किसी को नहीं आते
बेजान बारुद के कणों में
सोई आगे के सपने नहीं आते
बदी के लिए उठी हुई
हथेली को पसीने नहीं आते
शेल्फ़ो में पड़े
इतिहास के ग्रंथो को सपने- नहीं आते
सपनों के लिए लाज़मी
झेलने वाले दिलों का होना
नींद की नज़र होनी लाज़मी है
सपने इसलिए हर
किसी को नहीं आते

वंशिका, 11'अ' प्रथम पाली

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

स्कूल की पत्रिका

आ गई है स्कूल की पत्रिका,

छा गई है स्कूल की पत्रिका ,

बच्चों के दिल में समा गई पत्रिका,

हर जगह यह तो छा गई पत्रिका,

मेरा फोटो आया है स्कूल की मैगजीन में छाया है,

दिल में खुशियां लाया है ,

दोस्तों को भाया है ,

मेरे लेखन का सुधार होता ,

जीवन का सुधार होता,

आ गई है स्कूल की पत्रिका ,

आ गई है स्कूल की पत्रिका

अनुष्का , कक्षा- 9 ब
सदन –टैगोर प्रथम पाली

समय का सदुपयोग

समय कभी रूकता नहीं, समय का चक्र हमेशा चलता रहता है इसलिए हर वयक्ति को समय का सदूपयोग करना चाहिए।समय का दुरूपयोग करनेवाला वयक्ति कभी खुश नहीं रहता और ना ही वो अपने जीवन में कामयाब हो सकता है।
जिस प्रकार समुद्री लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करतीं ठीक उसी तरह समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। बीता हुआ समय कभी लौटकर वापस नहीं आता इसलिए हमारे लिए जीवन में सबसे जरूरी अगर कोई वस्तु है तो वो समय है। धन की कमी हो तो उसे दूबारा लिया जा सकता है पर समय को दूबारा नहीं लिया जा सकता।
प्रकृति अपना हर कार्य समय पर करती है। सूर्य समय से उगता है, मौसम भी समय से बदलता है।
अतः हमें समय का सदूपयोग करना चाहिए।

समृद्धि 5 अ प्रथम पाली

पेड बचाओ..... 🌳🌳

पेड 🌳बचेगे तो धरती🌍 बचेगी
जीवन बचेगा कल बचेगा
पेड 🌳से ही तो वर्षा🌧
नदी 🏞बचेगी जल 💧बचेगा
जब खेतों🌾 में होगा अनाज🌾
थालियों 🍽 🥣बचेगा
जीवन में होगी खुशहाली☺
जब धरती🌍 पर पेड 🌍बचेगा ।

उन्नति बालियान
कक्षा- 1A प्रथम पाली

चुटकुले

1. **टीचर-** अगर रात में मच्छर काटे तो क्या करना चाहिए?

   लड़का- सर चुपचाप खुजा कर सो जाना चाहिए। क्योंकि आप कोई • रजनीकांत तो हो नहीं कि मच्छर से सॉरी बुलवा लोगे ।

2. **बेटा -** पिता जी, आप बहुत किस्मत वाले हैं?

   पिता जी - वो कैसे बेटा?

   बेटा- क्योंकि मैं फेल हो गया हूं, आपको मेरे लिए नई किताबें नहीं खरीदनी पड़ेगी।

3. **सर :-** तुम्हारा English बहुत कमजोर है !!!

   गट्टू:- सर क्यु झूट बोल रहे हो ??

   सर :- अच्छा तो ये बताओ कि बहरे को English मे क्या बोलते है ???

   गट्टु :- सर बहरे को English मे कुछ भी बोल दो कौन सा उसे सुनाई देने वाला है!!

अभिनव कुमार कक्षा-9 'ब'
रमन सदन प्रथम पाली

टीचर गोलू से: पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे??

गोलू : पता नही मैडम।

टीचर : अगर तेरे पास 5 भटूरे है और मैं 5 भटूरे तुझसे लेलू तो तेरे पास क्या बचेगा ??

गोलू : ....मैडम छोले☺☺।

आर्यन त्यागी, कक्षा : 7
सदन : अशोक प्रथम पाली

(सोचो 😲अगर डॉक्टर फिल्म बनाते तो फिल्मो 🎥 के नाम क्या होते ?)

कभी खांसी कभी जुकाम 😂😆

कहो ना बुखार है 😉

टीबी नं 1😊

हम ब्लड दे चुके सनम 😝

रहना है अब होस्पिटल में☺

बचना ऐ मरीजों 😊

दिल तो कमजोर है जी💓😕

एक हसीना दो किडनी 😲

अजब मरीज की गजब बिमारी 😆

पायल राठी ☺, 6ब
अशोक सदन ☺ प्रथम पाली

के.वि. मुज़फ्फ़रनगर

मेरी पहली रेल यात्रा

एक दिन हमने मिलकर जयपुर जाने का निश्चित किया । मैं बहुत उतसाहित था क्योंकि हम रेलगाड़ी से जयपुर जा रहे थे। मैं पहली बार रेल से यात्रा करने जा रहा था। मैंने माता पिता जी के साथ मिलकर जाने की तैयारी की और फिर रेलगाड़ी पकड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंच गए टिकट लेने के बाद रेल के आने का इंतजार करने लगे कुछ देर बाद रेलगाड़ी स्टेशन पर आ गई हम जल्दी से एक डिब्बे में चढ़कर सीट पर बैठ गए थोड़ी देर में रेल चल पड़ी मेरे लिए यह एक अनोखा अनुभव था पेड़ पौधे घर द्वार पशु पक्षी आदि सब पीछे की ओर छूटते दिखाई दे रहे थे जैसे ही कोई स्टेशन आता रेलगाड़ी रुक जाती कुछ घंटों में हम अपनी मंजिल पर पहुंच गए मैं बहुत खुश था क्योंकि मेरे लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव था।

आरव सजवान
कक्षा - पांचवीं अ, द्वितीय पाली

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय केंद्रीय विद्यालय हैं । विद्यालय का अर्थ विद्या का आलय । मतलब विद्या का स्थान,जहाँ विद्या का उपार्जन होता है।

विद्यालय सरकारी और निजी दोनों प्रकार के होते हैं

मेरे विद्यालय में खेल के दो मैदान हैं जिनमें हम खेलते हैं एक बड़ा ग्राउंड और एक छोटा और एक साइकिल स्टैंड और एक बड़ा साइकिल स्टैंड है।

मेरे विद्यालय में लगभग 30 से 35 टीचर हैं।

मेरे विद्यालय में 12 क्लास तक पढ़ाई होती है।

मेरे विद्यालय में चारों ओर हरे भरे बड़े बड़े वृक्ष खड़े हुए हैं जो बहुत ज्यादा छायादार हैं।

विद्यालय में एक पुस्तकालय भी है।

मेरे विद्यालय में एक कैंटीन भी है, जिससे हम लंच में सामान खरीदते हैं।

मेरा विद्यालय बहुत बड़ा और बहुत सुंदर है।

हमारा केंद्रीय विद्यालय एक आदर्श विद्यालय है तथा इसमें दो शिफ्ट में पढ़ाई चलती है । मैं द्वितीय पाली में पढ़ाई करता हूं।

यह दो मंजिली इमारत है।

मेरा विद्यालय मुझे बहुत पसंद है।

अलतमस राणा
कक्षा 5अ द्वितीय पाली

*कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए

1. अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोये।
2. जब भी बाहर जाएं तो मुंह पर मार्क्स अवश्य लगाएं।
3. सामाजिक आयोजनों और भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहें।

4. खांसते और छींकते समय अपनी नाक और मुंह को रूमाल/टिशू से ढके।

5. बार-बार अपनी आंख, नाक और मुंह को ना छुए।

6. आपस में कम से कम 1 मीटर की दूरी सबकी सुरक्षा के लिए जरूरी है।

7. प्रयोग किए गए टिशू को तुरंत बंद कूड़ेदान में डालें।

8. हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते करें।

आयुष सेमवाल
कक्षा-9 द्वितीय पाली

मिलकर कोरोना को हराना है।।

मिलकर कोरोना को हराना है।
घर से हमें कहीं नहीं जाना है।।
हाथ किसी से नहीं मिलाना है।
चेहरे पर हाथ नहीं लगाना है।।
बार -बार अच्छे से हाथ धोने जाना है।
सेनीटाइजर करके देश को अच्छा बनाना है।।
बचाव ही इलाज है, यह समझना है।
सावधानी रखकर कोरोना को मिटाना है।।
कोरोना से हमें नहीं घबराना है।
देश हित में सभी को यह कदम उठाना है।।

राघव सेमवाल कक्षा-7
द्वितीय पाली

कहानी- चतुर किसान

एक बार एक किसान एक बकरी की घास का गठठर और एक शेर को लिए नदी के किनारे खडा था! उसे नाव से नदी पार करनी थी! लेकिन नाव बहुत छोटी थी कि वह सारा सामान समेत एक बार मे नही जा सकता था ! वह अगर शेर को पहले ले जाता तो इधर बकरी घास खा जाएगी और अगर घास को पहले नदी पार ले जा ता है! तो शेर बकरी को खा जाएगा अत मे उसे एक समाधान सूझा उसने पहले बकरी को साथ में लिया और नाव मे बैठकर नदी के पार छोड आया इसके बाद दूसरे चक्कर मे उसने शेर को नदी पार छोड दिया! लेकिन लौटते समय बकरी को फिर से साथ ले आया! इस बार वह बकरी को इस तरफ छोडकर घास के गठठर को दूसरी और शेर के पास छोड आया! इसके बाद वह फिर से नाव लेकर आया उसने नदी पार कर ली और उसे कोई हानि भी नही हुइ!

उमैर खान
कक्षा आठवीं द्वितीय पाली

कहानी

एक बार तथागत बुद्ध अपने शिष्यों के साथ जा रहे थे । रास्ते में कुछ गड्ढे खुदे थे और उनके अंदर नर कंकाल पड़े थे । बुद्ध के शिष्य ने पूछा, " तथागत इन गड्ढों में यह नर कंकाल क्यों पड़े हैं?" तथागत बुद्ध ने कहा , "इन लोगों को प्यास लगी थी, इन लोगों ने कुआं खोदना चाहा, लेकिन यह अलग-अलग कुआं खोदने में लग गए और कुआं खोदते खोदते ही मर गए । न तो उनको पानी मिला न ही इनकी प्यास बुझी और इनकी मौत भी हो गई । यदि ये लोग एक साथ मिलकर एक कुआं खोदते तो कुआं भी खुदता शक्ति भी कम लगती इनकी प्यास भी बुझती और ये जिंदा भी रहते ।

शिक्षा: एकजुटता हमें सफलता की ओर ले जाती है।

प्रिंस कक्षा ४
द्वितीय पाली

कहानी

एक किसान था .उसके चार बेटे थे और चारो बेटे बहुत ही आलसी थे. वह कुछ भी कामकाज नहीं करते थे .किसान दिन भर अपने खेत में काम करता था और कोई भी लड़का उसका हाथ बटाने नहीं आता था. किसान बहुत चिंतित रहता था की उसके मरने के बाद उसके चारों बेटों का क्या होगा. यही बात उसे दिन -रात खाए जाती थी. एक दिन किसान बहुत बीमार हो गया .उसे पता चल गया कि अब उसका अंतिम समय निकट है .उसने अपने चारों बेटों को बुलाया और कहा कि -मैं जानता हूं मेरे मरने के बाद तुम चारों कुछ नहीं करोगे तुम्हारे खाने-पीने का भी ठिकाना नहीं रहेगा ,इसीलिए मैंने खेत में बहुत सारा धन छुपा कर रखा हुआ है ,तुम वह धन खोज कर निकाल लेना और अपनी जिंदगी को आराम से जीना. इतना कहने के बाद किसान की मृत्यु हो गई और किसान के चारो बेटे बहुत दुखी हुए, परंतु अब क्या हो सकता था. कुछ दिन तो वह घर में रखा हुआ अनाज खाते रहे. लेकिन आखिरी में वह भी खत्म हो गया उन्होंने सोचा अब तो हमें खेत को खोदकर खजाना निकालना ही पड़ेगा इसके अलावा अब कोई भी उपाय हमारे पास नहीं बचा है .ऐसा सोचकर चारो बेटे सुबह उठे और खेत को खोदने पहुंच गए .खेत बहुत बड़ा था और उनमें से किसी को भी इस बात का पता नहीं था कि खजाना खेत के किस हिस्से में छुपा हुआ है .जिस कारण उन्हें पूरा खेत खोदना पड़ा. यह क्रम चार-पांच दिन तक चलता रहा चारो बेटे सुबह उठते और खजाने के लालच में खेत को खोदते रहते .आखिर में उन्होंने सारा खेत अच्छे से खोद दिया .लेकिन उन्हें खजाना कहीं भी नहीं मिला वह बहुत दुखी हुए .फिर उन्होंने सोचा जब हमने इतनी मेहनत कर ही ली है तो क्यों ना अब हम खेत में बीज ही डाल दे . जिससे फसल ही हो जाएगी और हम वह फसल बेच कर हम कुछ पैसे कमा लेंगे. जिससे हमें भोजन प्राप्त होगा ,आगे की फिर आगे देखेंगे. ऐसा सोचकर चारों ने .

मुदब्बीर कक्षा ४
द्वितीय पाली

कहानी

एक राजा अपने जन्मदिवस पर अपने राज्य के गरीब लोगों की सहायता किया करता था। वह गरीब जनता को छोटे-छोटे खेत दान में देता था, ताकि वे लोग मेहनत करके अपनी व अपने परिवार की रोजी-रोटी चला सकें। राजा अब तक कई लोगों को खेत दे चुका था।

एक दिन ऐसा ही एक किसान अपने खेत में हल चला रहा था। अचानक उसका हल मिट्टी के अंदर किसी वस्तु से टकराया। मिट्टी खोदने पर किसान को वहाँ सोने की एक ओखली और मूसल पड़ा हुआ दिखाई दिया। यह देखकर वह आश्चर्यचकित रह गया। वह ओखली और मूसल को घर ले आया।

किसान ने सोचा, 'क्योंकि यह खेत राजा का है तो इसमें मिलने वाली हर वस्तु भी राजा की है।' किसान ने मन ही मन निर्णय लिया कि वह सोने की ओखली राजा को दे देगा और मूसल अपने लिए रख लेगा।

किसान की एक बेटी थी जो बुद्धिमान व बहुत ईमानदार थी। किसान ने अपने मन की बात अपनी बेटी को बताई। उसने अपने पिता से कहा, "ऐसा कभी मत करना पिताजी। यदि तुम राजा को केवल ओखली दोगे तो वह मूसल के विषय में अवश्य पूछेगे। इसलिए आप उन्हें ओखली व मूसल, दोनों ही दे दीजिए।"

किसान ने अपनी पुत्री की बात को अनसुना कर दिया। वह केवल ओखली लेकर राजदरबार में गया और उसने राजा को ओखली दे दी। राजा ने तुरंत मूसल के विषय में किसान से पूछा। किसान राजा को कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। राजा को किसान के ऊपर बहुत गुस्सा आया।

मुसव्वीर कक्षा 8
द्वितीय पाली

मंज़िल

कुछ करना है , तो डटकर चल।
थोड़ा दुनिया से हटकर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते है।
कभी इतिहास को पलटकर चल।।
बिना काम के मुकाम कैसा ?
बिना मेहनत के , दाम कैसा ?
जब तक ना हासिल हो मंज़िल
तो रहा में आराम कैसा ?
अर्जुन सा , निशाना रख।
मन में , ना कोई बहाना रख!
लक्ष्य सामने है , बस उसी पे अपना ठिकाना रख।।
सोच मत , साकार कर।
अपने कर्मो से प्यार कर।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल। किसी और का ना इंतजार कर
जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले है .....
जो करते रहे इंतजार उनकी
जिंदगी में आज झमेले है।।

आयशा कक्षा = 6 अ
सदन = रमन द्वितीय पाली

मेरे गांव की धरती

मैं रहूँ चाहे कहीं भी... या आऊं बरसों बाद
मेरी यादों को दिल से लगा के रखती हैं आबाद
मुद्दतों से मेरा, हरदम इन्तजार करती
मेरे गांव की धरती, मेरे गांव की धरती

तेरे ही पावन आँचल पे चलना हमने सीखा
तेरी रौनक के आगे सबकुछ है फीका-फीका
चाहे रहूँ मैं दिल्ली दुबई.... सिडनी या रंगून
मगर तेरी गोद में ही दिल को मिलता है सुकून
तू ही मेरे हर जख्म, हर दर्द को हरती
मेरे गांव की धरती, मेरे गांव की धरती

तुझसे जन्म-जन्म का रिश्ता, जन्म-जन्म का नाता है
तेरे ही आशीर्वाद से परचम, हर जगह लहराता है
काम करेंगे ऐसा कुछ की मान तेरा बढ़ जाये
तेरी रक्षा खातिर तो हम बलबेदी पे चढ़ जाये
तेरी छवि आँखों से, हरगिज नहीं बिसरती
मेरे गांव की धरती, मेरे गांव की धरती

निशांत यादव कक्षा :- 8
सदन :- टैगोर द्वितीय पाली

चुटकुले

1.अध्यापिका: इस वाक्य को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करो वसंत ने मुझे मारा

संजू: वसंतपंचमी

2.पत्नी ने सुबह 10:00 बजे गैस धीमी करके कुकर चढ़ाया और कहां की सीटियां गिनते रहना और तीन बज जाए, तब गैस बंद कर देना

147 सीटियां बज चुकी है और अभी पौने बारह ही बजे है.....

3.एक भारतीय नारी एक साथ 10 परिवारों की टेंशन लेकर चलती है,

एक खुद की

और बाकी 7 टीवी सीरियल्स की

और बाकी 2 पड़ोसियों की

साक्षी गौतम कक्षा-पाचवीं ब
द्वितीय पाली

ज्ञान की बाते

(1) घमंड बता देता है कितना पैसा है

(2) संस्कार बता देते है की परिवार कैसा है

(3) बोली बता देती है की इंसान कैसा है

(4) बहस बता देती है की ज्ञान कैसा है

(5) ठोकर बता देती हैं ध्यान कैसा है

(6) नजरे बता देती हैं की सूरत कैसी है

(7) स्पर्श बता देता है की नियत कैसे है

जिया कक्षा=5B
द्वितीय पाली

सुविचार

1. जिंदगी हमेशा एक नया मौका देती है सरल शब्दों में उसे 'आज ' कहते हैं ।
2. जीवन में सबसे बड़ी खुशी उस काम को करने में है, जिसे लोग कहते हैं कि आप नहीं कर सकते ।
3. असफलता हमें दुनिया का परिचय कराती है ,और सफलता हमारा परिचय दुनिया से करवाती है ।
4. हमेशा छोटी-छोटी गलती से बचना चाहिए क्योंकि ,इंसान पहाड़ों से नहीं पत्थरों से ठोकर खाता है ।

निकिता कुमारी कक्षा : नौवीं
द्वितीय पाली

सफाई कर्मचारी

सर्दी गर्मी वर्षा में भी,

झाड़ू उसका जरा ना रुकता आसपास को स्वच्छ बनाकर, बीमारियों को दूर भगाता । गली मोहल्ले चौराहे भी, उसके परिश्रम के परिचायक। विद्यालय और अस्पताल भी, उसके गीतों के गायक हैं। स्वच्छ भारत अभियान का, वह है असली नायक । कार्य है उसका कितना महान, समाज से पाता कितना मान। हमको नहीं जरा भी भान, करते लघुता का नित पान। समाज की खोटी नजरों ने, छोटा तुमको माना ।

सच में , कितना खुद को, कितना तुमको जाना ।

स्वच्छ सुंदर स्वर्णिम भारत की ,

जंग अभी भी जारी है ।

मेरी तेरी उसकी भी ,

कुछ तो जिम्मेदारी है।

वृक्षारोपण ,जल संरक्षण और साफ सफाई में,

बहुत ज़रूरी सबकी भागीदारी है ।

तुम देशभक्त तुम देश पूत,

तुमको मेरा नमन वंदन अकूत है स्वच्छता दूत तुम ही भारत माता के सपूत।।

ओम प्रकाश
स्नात्तकोत्तर शिक्षक
प्रथम पाली

हौसला

जिन्दगी ठहर जाए

ये मुमकिन तो नहीं

वक्त बुरा है,

ज़रा संभल के चलो ।

रास्ते सुनसान हैं

मन्दिर मस्जिद गुरुद्वारे बेजान हैं

घरों में कैद हैं जिंदगियाँ

खो गयी हैं स्कूल की किलकारियां

रात लम्बी है

ज़रा उम्मीद का दीपक जलाये चलो ।

सब ने खोया है कुछ न कुछ

के.वि. मुज़फ़्फ़रनगर

प्रकृति विचार मग्न है कहाँ गया मनुष्य
क्यों नहीं ढूँढ लेता है इस मौत का सामान
क्यों बेबस है आज विज्ञान ।
इसलिए, जीवन को सरल व सुन्दर बनाओ
प्रकृति से प्रेम करो व इसको बचाओ
जिंदगी स्वयं सुधर जायेगी
यह मुमकिन है
गहरें जख्म भी भर जायेगी ।

पंकज कुमार (प्रा.शिक्षक)
प्रथम पाली

कविता

दिन जीवन का निकल रहा है ,
इसको रोक सकोगे क्या ।

छोडो दुनिया बातें सारी,
मौज मनाओ रक्खा क्या।

रक्त रंजित है जीव तुम्हारा ,
स्वप्न न जाने पाला क्या।

क्षण भर की इस मात्र कल्पना,
से जीवन को तोलो क्या।

देख चुका हूँ दुनिया सारी,
दर्द सिवा रक्खा है क्या।

चिन्ता को मीठे सुमनो से,
तुम भी सीच सकोगे क्या।

पढ़ लिखकर भी मूर्ख बने हो,
इससे बड़ी विडम्बना क्या ।

स्वप्न मात्र कल्पना मन की,
इसको समझ सकोगे क्या।

देखो सारी दुनिया समझो,
आना जाना लगा है क्या।

अंकित यादव
प्राथमिक शिक्षक
द्वितीय पाली

के.वि. मुजफ्फरनगर

मातृभाषा दिवस

मातृ भाषा सप्ताह
भाषा
संस्कृतम

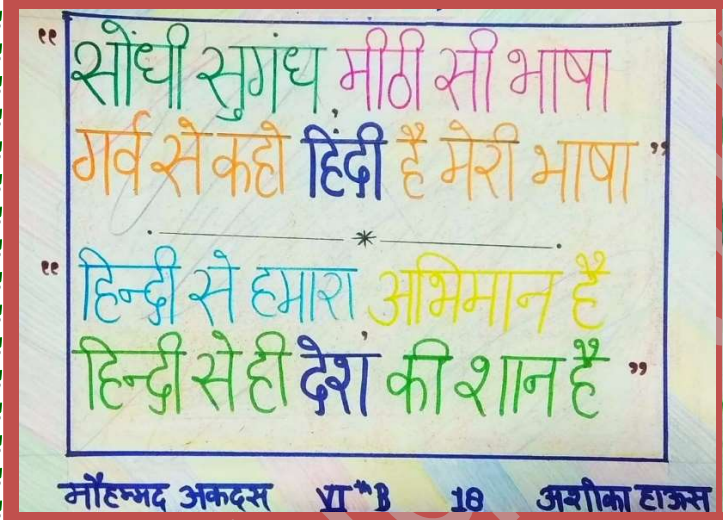

"सोंधी सुगंध, मीठी सी भाषा
गर्व से कहो हिंदी है मेरी भाषा"
"हिन्दी से हमारा अभिमान है
हिन्दी से ही देश की शान है"
मौहम्मद अकदस VI th B 18 अशोका हाऊस

TAyyAB Khan
9th B
46

प्रेम की भाषा
हिंदी है भारत जन की भाषा
TAiba KHAN.
Class 7th B

ऑनलाइन पर्यावरण प्रतियोगिता

अखिल भारतीय स्कूल पर्यावरण प्रतियोगिता - २०२१
All India School Paryavaran Competition - 2021
Supported by
Ministry of Education, (Govt. of India)
Ministry of Environment, Forest & Climate Change(Govt. of India)
Certificate of Participation
is hereby awarded to
Vanshika
School: kendriya vidyalaya muzaffarnagar
District: muzaffarnagar
Score: 72 %
Certificate Id 441577
An Initiative by
पर्यावरण संरक्षण गतिविधि
(Paryavaran Sanrakshan Gatividhi)
https://ePSG.in

अखिल भारतीय स्कूल पर्यावरण प्रतियोगिता - २०२१
All India School Paryavaran Competition - 2021
Supported by
Ministry of Education, (Govt. of India)
Ministry of Environment, Forest & Climate Change(Govt. of India)
Certificate of Participation
is hereby awarded to
Arpit Tayal
School: kendriya vidyalaya muzaffarnagar
District: muzaffarnagar
Score: 81 %
Certificate Id 441224
An Initiative by
पर्यावरण संरक्षण गतिविधि
(Paryavaran Sanrakshan Gatividhi)
https://ePSG.in

अखिल भारतीय स्कूल पर्यावरण प्रतियोगिता - २०२१
All India School Paryavaran Competition - 2021
Supported by
Ministry of Education, (Govt. of India)
Ministry of Environment, Forest & Climate Change(Govt. of India)
Certificate of Participation
is hereby awarded to
Mansvi Chaudhary
School: kendriya vidyalaya
District: agra
Score: 73 %
Certificate Id 439514
An Initiative by
पर्यावरण संरक्षण गतिविधि
(Paryavaran Sanrakshan Gatividhi)
https://ePSG.in

अखिल भारतीय स्कूल पर्यावरण प्रतियोगिता - २०२१
All India School Paryavaran Competition - 2021
Supported by
Ministry of Education, (Govt. of India)
Ministry of Environment, Forest & Climate Change(Govt. of India)
Certificate of Participation
is hereby awarded to
Astha Sharma
School: kendriya vidyalaya muzaffarnagar
District: muzaffarnagar
Score: 75 %
Certificate Id 442217
An Initiative by
पर्यावरण संरक्षण गतिविधि
(Paryavaran Sanrakshan Gatividhi)
https://ePSG.in

पृथ्वी दिवस

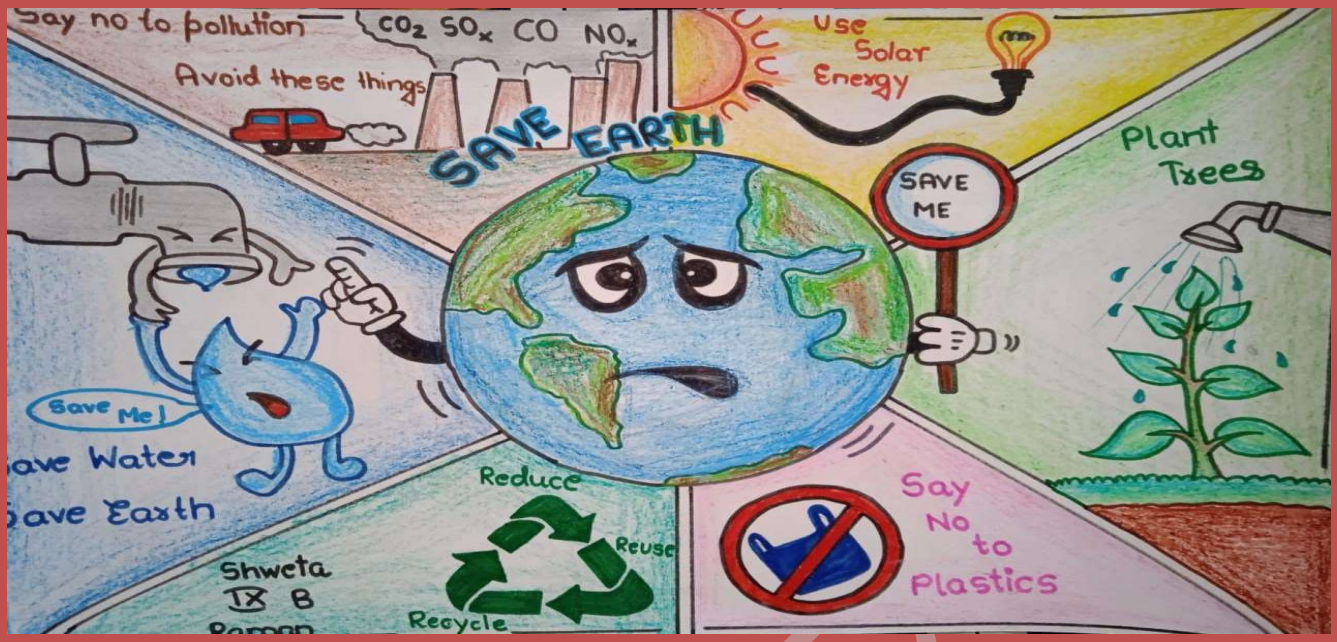
Say no to pollution
CO_2 SO_x CO NO_x
Avoid these things
SAVE EARTH
Use Solar Energy
SAVE ME
Plant Trees
Save Me!
Save Water
Save Earth
Reduce
Reuse
Recycle
Shweta
IX B
Say No to Plastics

Anushka kamba
X 'A'
Life is Possible only on Earth, Protect it.

SAVE EARTH

Recycle
Save Water
SAVE OUR WORLD
plant a tree
Walk

संस्कृत अनुभाग :

नमो भगवति ! हे सरस्वति !
सन्निहितं कुरु मम चित्ते ॥ नमो ॥
हंसवाहिनि ब्रह्मवादिनि
करुणापूर्णा भव वरदे ।

मञ्जुलहासिनि नाट्यविलासिनि
लास्यं कुरु मम रसनाग्रे ॥ नमो ॥
सन्निहितं कुरु मम चित्ते ॥ नमो ॥
हंसवाहिनि ब्रह्मवादिनि

करुणापूर्णा भव वरदे ।
मञ्जुलहासिनि नाट्यविलासिनि
लास्यं कुरु मम रसनाग्रे ॥ नमो ॥

वृक्षः

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति । वृक्षाः पर्णै पुष्पैः च शोभन्ते । अस्य वर्ण हरितः भवति ।वृक्षः co2 । वृक्षाः ग्रहति वमति । वृक्षा प्राणरहिता: जडपदार्थ : न। तेषामपि प्राणोऽस्ति । तेऽपि रोगग्रस्ता भवन्ति । वृक्षाः पादैः पातालं स्पृश्यन्ति । वृक्षाः पादैः (मूलैः) जलं पिबन्ति । वृक्षे काकः, चटकः थर्मेन च तिष्ठन्ति वृक्षेषु भ्रमराः भ्रमन्ति मधुपनि च कुर्वन्ति। वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति । वृक्षण फलानि विकसन्ति । जनाः वृक्षाणां फलानि भवन्ति । वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति ।

मोहम्मद अकदस , 6 ब प्रथम पाली

जय वृक्ष! जय वृक्ष

श्रूयताम् सर्वे वृक्षपुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम्।
वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं बहुदूरम्।।

मूलेपी अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,
काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम्,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम्।।

पुष्पम् सुन्दरम्, अतीव मोहकम्,
पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम्।
फलम् रसमयं, तस्य फलं स्वादपूर्णम्,
फलम् हि अस्ति रे खगस्य अन्नम्।।

जलवातप्रकाशैः निर्माति अन्नम्,
तेन हि अन्नेन वर्धते नित्यम्।
वृक्षस्य दृश्यताम् सर्वम् हि कार्यम्,
जीवनं तस्यास्ति परोपकारार्थम्।।

वृक्षे हि कुर्वन्ति विहगाः नीडम्,
केचित् तु कुर्वन्ति काष्ठे हि छिद्रम्।
आतपे तिष्ठति वर्षानुवर्षम्,
अन्येषां करोति छायाप्रदानम्।।

वृक्षो नैव अत्ति रे स्वकीयं फलम्,
सर्वम् हि अंगम् तस्य लोकहितार्थम्।
जनाः न स्मरन्ति तस्य उपकारम्,
बहुधा कुर्वन्ति वृक्षच्छेदनम्।।

मास्तु रे मास्तु ईदृशं पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्',
सर्वे हि कुर्वन्तु तद्संवर्धनम्।।

मान्या जौहरी कक्षा 7'अ'
अशोक सदन प्रथम पाली

संस्कृत श्लोक

1. आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।।

अर्थ - व्यक्ति का सबसे बड़ा दुश्मन आलस्य होता है, व्यक्ति का परिश्रम ही उसका सच्चा मित्र होता है। क्योंकि जब भी मनुष्य परिश्रम करता है तो वह दुखी नहीं होता है और हमेशा खुश ही रहता है।

2 .उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थ - व्यक्ति के मेहनत करने से ही उसके काम पूरे होते हैं, सिर्फ इच्छा करने से उसके काम पूरे नहीं होते। जैसे सोये हुए शेर के मुंह में हिरण स्वयं नहीं आता, उसके लिए शेर को परिश्रम करना पड़ता है।

3. वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।।
लक्ष्मी : दानवती यस्य,सफलं तस्य जीवितं।

अर्थ – जिस मनुष्य की वाणी मीठी हो, जिसका काम परिश्रम से भरा हो, जिसका धन दान करने में प्रयुक्त हो, उसका जीवन सफ़ल है।

विशेष मिश्रा
कक्षा - 6 ब प्रथम पाली

प्रहेलिका:

(क) चक्री त्रिशूली न हरो न
विष्णुः।
महान् बलिष्ठो न च
भीमसेनः।
स्वच्छन्दगामी न च नारदोऽपि
सीतावियोगी न च
रामचन्द्रः।।

(ख) न तस्यादिर्न तस्यान्तःमध्ये यस्तस्य तिष्ठति।
तवाप्यस्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद्वद।।

(ग) अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डित:।

अमुख:स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डित:।।

उत्तर- (क) वृषभ: (ख) नयनम् (ग) पत्रम्

विदिषा कक्षा 7'अ'
सदन अशोक प्रथम पाली

मातुः महिमा

माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करूणा-ममतायाः त्वम् मूर्तिः,
न कोऽपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्तिः।
तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति,
माँ शब्दस्य महिमा अपारा,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम उपहार।।

वृंदा कक्षा-8 अ
सदन-अशोक प्रथम पाली

संस्कृत मंत्र

1) ॐ ऐं ह्रीं श्रीं वाग्देव्यै सरस्वत्यै नमः
2) शुक्लां ब्रह्मविचारसारपरमांद्यां जगद्व्यापनीं
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यांधकारपहाम्।स्ते स्फाटिक मालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थिताम्
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्।।
3) ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वती देव्यै नमः ।।
4) सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि ।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा ॥
5) ॐ ऐन वाग्देव्यै च विद्महे कामराजाय धीमहि!
तन्नो देवी प्रचोदयात ॥

अवनी त्यागी
कक्षा 9अ प्रथम पाली

हिंदी पखवाड़ा

INDIA
हिन्दी में लिखे
अच्छी लगता है

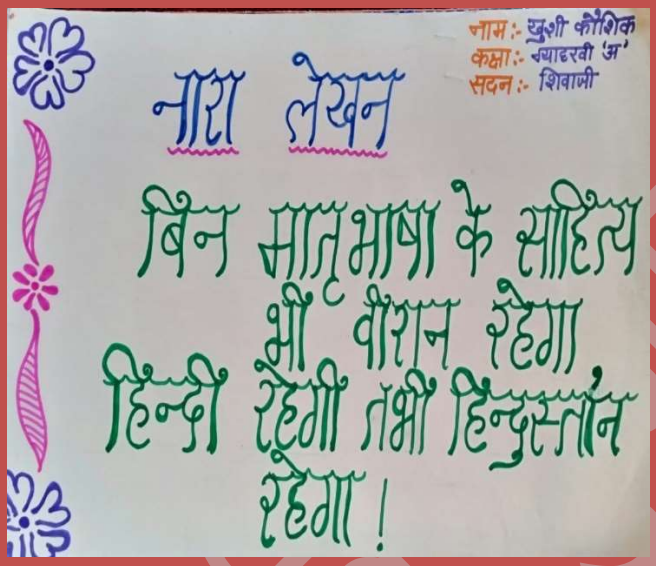

हिन्दी दिवस

नाम :- खुशी कौशिक
कक्षा :- ग्यारहवीं 'अ'
सदन :- शिवाजी
नारा लेखन
बिन मातृभाषा के साहित्य भी वीरान रहेगा
हिन्दी रहेगी तभी हिन्दुस्तान रहेगा !

हिन्दी दिवस
मोहिनी सिंह
XI 'A' (I पाली)
रमन सदन

हिन्दी हैं हम
१४ सित.
हिन्दी

जल संरक्षण

जल
ही जीवन है...

SAVE WATER
Kendriya Vidyalaya Muzaffarnagar
Name - Yatharth kumar
Class - 6th 'B'
School - K.V.S Muzaffarnagar
House - Shivaji
Kendriya Vidyalaya

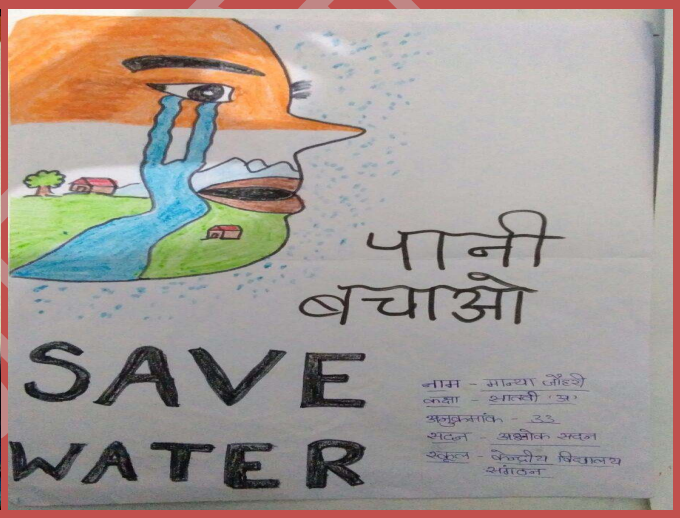
पानी
बचाओ
SAVE
WATER

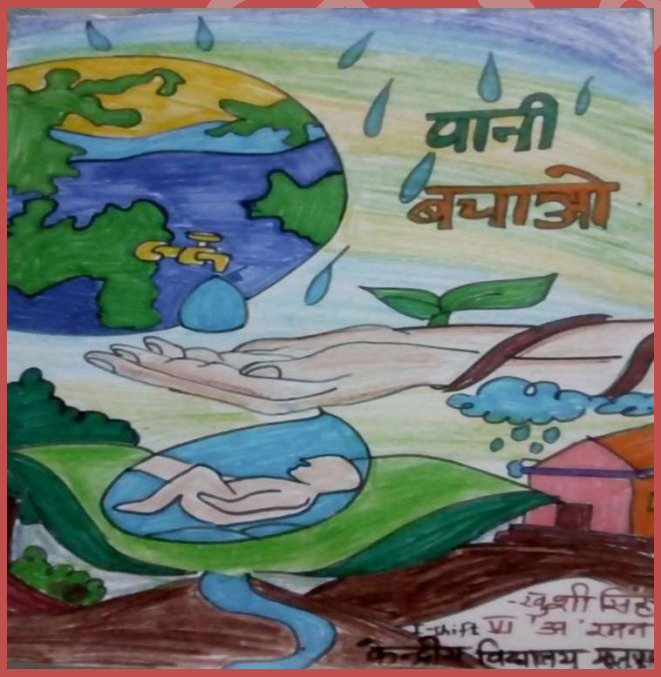
पानी
बचाओ

जीवन
बचाओ
आज पानी
बचाओ!
कल पानी
आपको
बचायेगा।
हर बूँद
बचाओ
प्यासे के लिए पानी
की एक बूँद एक कोरा
सोने से भी ज्यादा
कीमती है।

मज़दूर दिवस

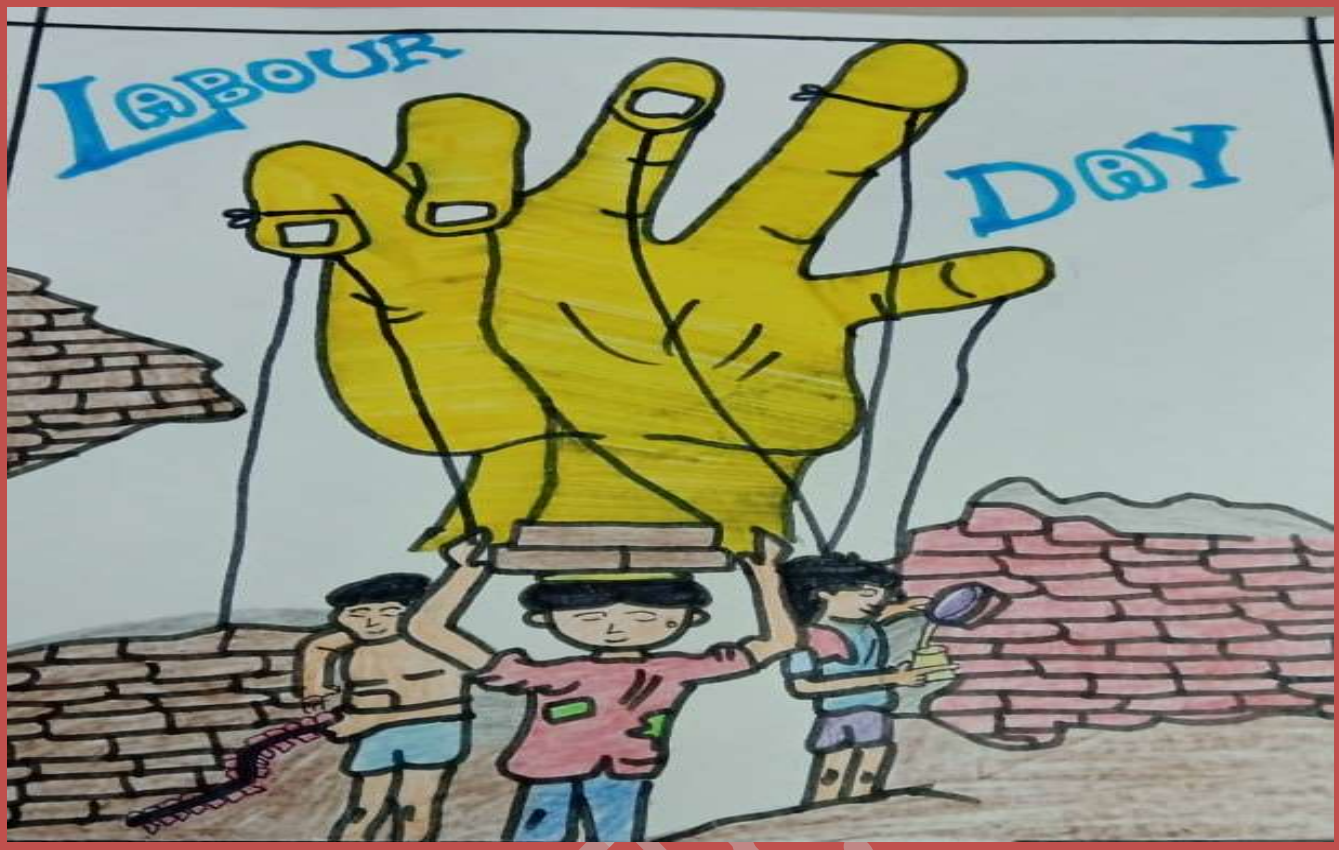
LABOUR
DAY

TRIBUTE
TO All
UNSANG HEROES
Happy Labour Day
Made By-Naina Ohiman

ENGLISH SECTION

BECAUSE I'M A GIRL🙏

I have to best in studies

And fulfill all my duties

Because i m a girl

I have to look smart

And must know the art of laughing

Because i m a girl

I should have fine hair and a habit to share

Because i m a girl

There must be shyness in my eyes

And talk less to guys

Because i m a girl

I should know a little fashion

But long away from passion

Because I m a girl

I must be strong and daring

But always scared to be staring

Because I m a girl

I have to come before night

And somebody always has to be sight

Because I m a girl🙏

Anshika Tyagi

-12th "A" FIRST SHIFT

My father Is Full At Work And

My mother should Teach the housework

My father and mother Teach with great

Difficult and

Have Big Dreams

Example

Doctor

IPS

IAS and promise me that we will become the dream of our parents and keep them happy always

Hujjat fatima
VIB FIRST SHIFT

..ESSAY ON ENVIRONMENT....

An environment is the natural surroundings which help life to grow nourish and destroy on this planet called earth. Natural environment plays a great role in the existence of life on earth and it help human beings, animals and other living things to grow and develop naturally. But due to some bad selfish activities of the human beings, our environments getting affected. It is the most important topic that everyone must know how to protect our environment to keep it safe forever as well as ensure the nature's balance on this planet to continue the existence of life. If we do anything in wrong way out of the discipline of nature, it disturb the whole environment means atmosphere, hydrosphere and lithosphere. Besides natural environment, a man made environment is also exists which deals the technology, work environment, aesthetics, transportation housing, utilities, urbanization, etc. Man made environment affect the natural environment to a great extent which we all must be together to save it. The component of the natural environment is used as a resource however it is also exploited by the human being in order to fulfill some basic physical needs and purpose of life. We should not challenge our natural resources and stop putting so much pollution or waste to the environment. We should value our natural resources and use them by staying under the natural discipline.

Divyank Singh Class- IX B
House- Tagore FIRST SHIFT

Good Habits

Wake up in the morning early early. Early

go on the road left left left

play video game no no no

eat healthy food yes yes yes

respect our elder always always always

when you make a mistake say sorry sorry sorry

when someone help you say thank you thankyou thankyou

Anurag Goswami Class II A
House. Shivaji FIRST SHIFT

FIGHT CORONA ANTHEM

Corona virus is a worldwide scare,

Going out of home don't you dare,

The world is locked down in their homes,

Let the disease not be spread by some,

Social distancing is the only cure,

No medicines or vaccines are available for sure.

Manya johri 7th-A
Ashoka house FIRST SHIFT

GLOBAL WARMING

Global warming or climate change has today become a major threat to the mankind. The Earth's temperature is on the rise and there are various reasons for it such as greenhouse gases emanating from carbon dioxide (CO_2) emissions, burning of fossil fuels or deforestation.

Impact of Greenhouse Gases

The rise in the levels of carbon dioxide (CO_2) leads to substantial increase in temperature. It is because CO_2 remains concentrated in the atmosphere for even hundreds of years. Due to activities like fossil fuel combustion for electricity generation, transportation, and heating, human beings have contributed to increase in the CO_2 concentration in the atmosphere.

Global Warming: A Gradual Phenomenon

Recent years have been unusually warm, causing worldwide concern. But the fact is that the increase in carbon dioxide actually began in 1800, due to the deforestation of a large chunk of North-eastern American, besides forested parts of the world. The things became worse with emissions in the wake of the industrial revolution, leading to increase in carbon dioxide level by 1900.

Cause of Concern

According to the Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC), global temperature is likely to rise by about 1-3.5 Celsius by the year 2100. It has also suggested that the climate might warm by as much as 10 degrees Fahrenheit over the next 100 years.

Impact of Global Warming

The sea levels are constantly rising as fresh water marshlands, low-lying cities, and islands have been inundated with seawater.

There have been changes in rainfall patterns, leading to droughts and fires in some areas, and flooding in other areas.

Ice caps are constantly melting posing a threat to polar bears as their feeding season stands reduced.

Glaciers are gradually melting.

Animal populations are gradually vanishing as there has been a widespread loss of their habitat.

Conclusion

As per Kyoto protocol, developed countries are required to cut back their emissions. There is a need to reduce coal-fired electricity, increase energy efficiency through wind and solar power, and also high efficiency natural gas generation.

Akshita Bansal
XIth b & commerce
House - Ashoka FIRST SHIFT

DON'T QUIT

"When things go wrong, as they sometimes will;

Vendor road you're trudging seems all uphills;

When the funds are low and the debts are high;

And you want to smile but you have to sigh.

When all is pressing you down a bit -
Rest if you must, but don't you quit
Success is failure turned inside out;
The silver tint on the clouds of doubt;
And you can never tell how close are you;
It may be near when it see far.
So stick to the fight when you are hardest hit-
It's when things go wrong that you must not quit.

BY,
ASTHA SINGH
CLASS 8 TH B FIRST SHIFT

OUR ENVIRONMENT

An environment is the natural surroundings which help life to grow nourish and destroy on this planet called earth. Natural environment plays a great role in the existence of life on earth and it help human beings, animals and other living things to grow and develop naturally. But due to some bad selfish activities of the human beings, our environments getting affected. It is the most important topic that everyone must know how to protect our environment to keep it safe forever as well as ensure the nature's balance on this planet to continue the existence of life. If we do anything in wrong way out of the discipline of nature, it disturbs the whole environment means atmosphere, hydrosphere and lithosphere. Besides natural environment, a man made environment is also exists which deals the technology, work environment, aesthetics, transportation housing, utilities, urbanization, etc. Man-made environment affect the natural environment to a great extent which we all must be together to save it. The component of the natural environment is used as a resource however it is also exploited by the human being in order to fulfill some basic physical needs and purpose of life. We should not challenge our natural resources and stop putting so much pollution or waste to the environment. We should value our natural resources and use them by staying under the natural discipline.

Divyank Singh

Class- IX B FIRST SHIFT

THE CONSTITUTION DAY (POEM)

It was the time after independence,
What saw that some rules we need.
Rules needed to govern the country,
That defines each and every deed.

For making our constitution,
The best of Indians had got up.
Soon in July, Nineteen Forty Six,
The constituent assembly was set up.

In August after independence,
The drafting committee set at the work.
They travelled to many countries,
To make a draft constitution first.

At last, in November Nineteen Forty Nine,
Constitution was fully enacted and adopted.
It was signed by our President,
It was accepted as it opted.

On January Twenty Six, Nineteen Fifty,
It was fully enforced by the way.
Everyone knows what day it is,
It's celebrated as Republic Day.

GAURAV JOSHI
CLASS- XI B FIRST SHIFT

Population is the only the root cause of Indian Problems

Population is the biggest problem in India. People need house to live. To build new house they need place. Human Beings are cutting trees and destroying jungles. Because of this animals don't have place to live.

So, animals comes in the cities. We need oxygen to breathe, without it we can't survive.
"Population increases, problems increases".
There are not many opportunities in India.
So people are going in other countries for jobs.

By Gaurav Joshi,
XIth B FIRST SHIFT

MATHS ! MATHS ! MATHS !

Down with old pythagoras
And down with rotten maths.
Down with archimedes,
And drown him at the baths.

If anyone had to do it
I'd make sure it was me
First I'd wholly immerse him,
Then kick him up a tree.

When he hadbeen disposed of,
I'd turn on old pythagoras
I'd draghim through a holly bush,
And he'd come out like a rag.

Now my pipe dream's over,
And I've nothing more to say
Expect that maths still lives on
To be taught another day.

Manya johri
7th-A
Ashoka house FIRST SHIFT

You are fighting against covid -19.

When everyone is threatened,
You have not stopped your work for a single second.

You aren't alone, so don't fear,
See all are here to wipe your tear.

Just remember your childhood lesson,
that unity is the greatest weapon.

Give an appraisal to our country's keeper,
The way, the police, the rector and even to that Sweeper.

They just have to maintain social distance,
to overcome our present circumstance.

Our lifestyles need just a small amendment
Just to follows the guidelines of government.

To prevent all this for becoming a better future.
Let's become a saviour by staying home and supporting our warriors.

MOHAMMAD AQDAS VI-B
FIRST SHIFT

Kargil Vijay Diwas

The Kargil Vijay Diwas is celebrated on 26th July all across India to celebrate the victory of our prestigious Indian Army against Pakistan in Kargil War 1999. India is the land of the brave warriors. We fight to claim what is ours. Our Indian army is full of such heroes who took part in this war and many of them sacrificed for the sake of the country. It has been 21 years since India won the war against Pakistan at the Kargil in Kashmir. Indian armed forces had given their full efforts in such an unbearable climate and heights to get back our land which was dominated by the Pakistani troops.

The Kargil battlefield is one of the highest and most dangerous battlefields in the world. The war was fought in the Tiger Hill region located in the Kargil town 205 km away from Srinagar. The nights here are long, and the temperature used to drop till -48 degree Celsius. The Pakistani Army wanted to cut the connections between the Ladakh and Kashmir and later occupy Kashmir slowly. The Pakistani soldiers initially crossed the Line of Control which is called LOC and entered into the India-controlled region. Later the local shepherds alarmed the army about the suspicious

people crossing the LOC. To take a deeper look, Indian Army sent additional troops from to Ladakh to Kargil region and they came to know that Pakistani army has crossed the LOC and entered in the India-controlled region. Both the soldiers started firing to regain the claim on the land. Later the Indian Air Force joined the war cleansing all the intruders from the valley.

After the increasing attack from the Indian army, and the pressure from the then United States of America President Bill Clinton, Pakistan withdrew its soldiers from the LOC area. Indian army reclaimed all the posts which Pakistan army was trying to win. This two-month long war ended on 26th July 1999 when Pakistan Army announced that they had withdrawn their army from the disputed area. This operation was named as the Operation Vijay. The Indian Army with Captain Vikram Batra, Major General Ian Cardozo fought bravely commanding over the outpost on 26th July 1999 which was dominated by Pakistan.

To celebrate the high esteem of the Kargil Heroes Kargil Diwas is celebrated. Homage is given to the soldiers who were martyred during the war at the Amar Jawan at the Delhi Gate by the Prime Minister of India and the Indian Army. Functions are organized in colleges and Government Institutes; Flag hoisting is done. Tricolour is seen everywhere; kids wear pinned badges on the pockets to show some love towards the country. In Schools competitions like speech, essay, debate, elocution, and activities are held to depict patriotic feeling. One of the main events the people wait to see is the parade and the stunts performed by the Army officials. Historical heritage around the country is lighted up with the colors of the Indian Flag. Patriotism vibes are felt everywhere.

Pranshu Kashyap
Class- XIA FIRST SHIFT

Yoga

• What is yoga:

It is rightly said that if we want to maintain a balance between oneself and environment then yoga is necessary for every human. We can't deny the fact that since ancient times in India yoga is being practiced. The 'yoga' word is derived from the Sanskrit which means 'to join or to unite'. Exercises of yoga have a physical effect and also bring a balance between body, soul and mind. Several years ago, sages analysed nature and cosmos through meditation. The importance of life is the health of our body. If health is not good then we will not be able to achieve our goals or will not remain happy.

It is rightly said that "Health is not everything, but without health everything is nothing".

• **Benefits of Yoga:**

- Yoga promotes self-healing.

- Removes toxins from the body and negative blocks from the mind.

- Yoga increases self-awareness.

- Increases personal power.

- Boost immunity.

- Increases concentration and focus.

- Yoga helps in reducing stress level and tension in the physical body.

- It helps in the attainment of perfect equilibrium and harmony.

- It helps in weight loss.

- It increases flexibility and muscle strength.

- It improves the function of the brain.

- Lowers the blood pressure.

- Improves lung capacity.

- Improves a sense of balance.

- Make bones stronger.

- Lowers the risk of heart diseases.

- Maintain a healthy weight.

- It also helps in fighting with depression.

- Stimulation of organs.

- Also, help in the improvement in gastrointestinal health.

- Increases Metabolism.

- Improves sleep.

- It also helps in building self-control.

-Yoga helps for inner peace.

- Yoga increases energy in the body etc.

Prerna Malik

Class- XIth A FIRST SHIFT

TREE PLANTATION (POEM)

Trees are the future, a resource all must nurture,
Respect we should have for mother nature.
Earthquakes and Tsunamis we face,
Very soon thou shall have no trace.
Do not be so occupied in life's race,
That you fail, not eligible, even for a grace.
Plant a sapling once in a while,
At least celebrate your birthday with a sapling smile.
Each year when you plant a sapling,
A seed of mother nature begins dancing,
The leaves and branches begin romancing.
The essence of this romance will last a generation,
Giving pure air, healthy environment to our nation.
Come, join us for a TREE PLANTATION……..

TARUN SINGH

CLASS- XI A FIRST SHIFT

.....THE RAINDROP RACE....

There's a race

On my face

So let's see

Who will be

The first drop

To drip

From my drop

To my lip

From my lip

To my chin

From my chin

To my toes

Who will win ?

Godness

Knows!

Vanshika, XIthA

FIRST SHIFT

Poem on Mother

Red, Blue, Pink and white. You are beautiful and my life.

When I always close my eyes.

You stand with me all the time.

You make happy all the time. You are my sun shine and my life.

I always Pray to God. He makes you happy all the time.

Oh my mother you are my life. Love you Mom.

Niharika Yadav

Class - IVA FIRST SHIFT

Who Loves the Trees Best?

Who loves the trees best?
"I," said the spring,
"Their leaves so beautiful
To them I bring."

Who loves the trees best?
"I," summer said,
"I give them blossoms,
White, yellow, red."

Who loves the trees best?
"I," said the fall,
"I give luscious fruits,
Bright tints to all!"

Who loves the trees best?
"I love them best,"
Harsh winter answered,
"I give them rest."

Amrit Baliyan, IA
FIRST SHIFT

Corona virus

(1) Coronavirus is a family of virus causing a some deadly disease in human and animals.

(2) It primarily affects our nervous system and damages it.

(3) It causes diseases related to the respiratory system like coughing and sneezing.

(4) The coronavirus spreads from animals to human.

(5) It can also spread thought contact with an infected person.

(6) The attack of coronavirus can course pneumonia , severe acute respiratory syndrome, failure of kidney and also death.

(7) Any certified treatment of the diseases cause buy corona has been not discovered.

(8) It can only be prevented by having some precautionary actions.

(9) We should avoid having contact with infected person.

(10) Washing our hands properly with water regularly in important for keeping ourselves save from its effects.

STAY HOME STAY SAFE

Mandeep
Class = 5 A
2nd shift

COUNT WISELY

One day, king akhbar asked a question in his court that left everyone in the courtroom puzzled. As they all tried to figure out the answer, Birbal walked in and asked what the matter was. They repeated the question to him.

The question was, "How many crows are there in the city?"

Birbal immediately smiled and went up to akhbar. He announced the answer;he said there were twenty-one thousand, five hundred and twenty- three crows in the city. When asked how he knew the answer, Birbal replief, "Ask your men to count the no. Of crows. If there are more, the relatives of the crows must be visiting them from nereby cities. If there are fewer, then the crows from our city must be visiting their relatives who live outside the city." Pleased with the answer. Akhbar presented Birbal with a ruby and a pearl chain.

MORAL:Having an explanation for your answer is as important as having an answer.

Antrakshi malik, 8th
HOUSE:Tagore
SHIFT:2nd

My Best Friend

By Sheri Goodwin
I'm not sure when it happened
But I'm very glad it did
You came into my life when
I really needed a friend.

The more I get to know you
The more I know myself
And this is why I'm thankful
For you are just yourself.

You and I are different
And in many ways the same
Your good ear, compassionate heart
Will always find you fame.

I promise to always be here
Forever and to the end
You are the true definition of
My Very Best Friend!

Vaibhavi Ruhela 5 th B
Ashoka house Shift – II

IMPORTANT OF EDUCATION IN OUR LIFE :

Education is a constitutional right of every citizen that prepares an individual to play their role as a sophisticated member of society. The importance of education can be employed by habituating the lack of its existence . The important of education and its significance can be understood through the life of an ignorant and illiterate person who has never had the chance to visit the School and is experiencing the bane of illiteracy could value the answer to the question why education important to change an individual 's life.

Education is a powerful weapon that aids an individual to face the adversities of life and overcome societal stigmas such as poverty, fear,status to achieve success. Education is the hope of development and success for most third world countries and the world's dominion countries. Mandatory education will the scope of better growth and development.

ROLE OF EDUCATION IN NATION BUILDING:

For any developing country inclusive of India to achieve the objectives of development any form of social evils like- a criminal offense against women, malnutrition, illiteracy, child labor, poverty, poor health and hygiene, water storage, corruption, crime rates,gender inequality, etc must meet its end.

SHIFA PARVEEN
Class = 9 A Shift – II

My School

I Love my K.V School,
It is a big Knowledge of education pool.
Pool Pool Pool of education
I Love my K.V School too much
Here my best friends of K.V School
Cool Cool Cool School
I Love my K.V School too much
We play and follow every rule of School
Rule Rule Rule of School.
It is a big Knowledge pool
Pool Pool Pool of knowledge.

Altmash Rana

Class - 6 A Shift – II

CORONA-VIRUS :(STAY SAFE)

We may be young or old,

But we must be bold,

Against the enemy untold.

We can't go to malls,

Nor can we go to waterfalls,

Because the virus is a - scaring,

Sending our spines into a shivering.

If you have to go out,think twice,

Wear your mask, be wise .

After coming home, sanitize

And wash your hands thrice,

COVID-19 is the name.

It is playing a hide-and-seek game.

By following the rules, we can ensure endgame .

Vanshika, Class- 8
House-shivaji
Shift – II

A Student's Life

A student's life is a pleasure,
Which we enjoy in full measure,
Be it work or leisure Its memories we always treasure,
A student's life is a challenging test
when we strive to do our best
To satisfy our quest
And bubble with enthusiasm and zest .

Nikita Kumari Class : IX
Shift – II

ONE WORD SUBSTITUTIONS

1 Someone unknown - Anonymous.

2 One who cannot read or write - Illiterate

3 That which cannot be believed - Incredible

4 One who believes everybody - Credulous

5 Existing since old times Antique The life story of a person - Biography

6 A self written life story of a person - Autobiography

7 A voice which cannot be heard - Inaudible

8 A song sung by two persons - Duet

9 A lover of books - Bibliophile

10 One who knows everything - Omniscient

11 One who has narrow religious views - Bigot

12 One who has little sympathy - Callous

13 Known for bad things - Notorious

14 A man who is not married - Bachelor

15 A person who always things or talks of oneself of - Egoist

16 A statement which is not likely to be true - Dubious

17 Fond of eating too much - Glutton

18 One who walks on foot Pedestrian One who knows many languages - linguist

19 One who is good at speech - Orator

20 A child whose parents are died – Orphan

21 One who practices an art or plays a game for pleasure - Amateur

22 A place where dead bodies are buried - Cemetery

23 A letter not claimed by anyone - Dead letter

24 One who is fond of entertaining guests - Hospitable

25 A person lacking knowledge - Ignorant

26 A document written by hand - Manuscript

SANIYA
CLASS : IX
Shift – II

Hardwork

Life is another name for labour. A person who does not have hard work in life cannot move forward, where one is born, one day he will dry up and fall on the earth. It is like a pond in which water neither comes nor flows. When it rained a little bit was filled and it kept rotting. The wanderer also runs away from his bad smell, no one like to come near.

Human life is for conflicts, after conflicts it succeeds. Struggle involve heavy labour. The person who is scared of labour, not humn, not animal, is a rooted tree, when he is born, he was to wither away.

Vidhi, Class-7 th,
House-Shivaji
Shift – II

Article on Positive Thinking:

Positive thinking is a belief, a mental attitude that admits into the mind thoughts, words and images that good things will happen and that one's efforts will be crowned with success. Positive thinking is opposed to negative thinking which harbours the mind through thoughts on apprehensiveness, fearfulness, and unsure of success in efforts.

Positive thinking is reinforced by thoughts such as optimism, hope, and belief that hard work is never wasted. A positive mind anticipates happiness, health, joy, and a successful outcome of every situation and action and works wonders like magic.

NAMRA KHAN
Class- IX
Shift – II

SUPW कॉर्नर

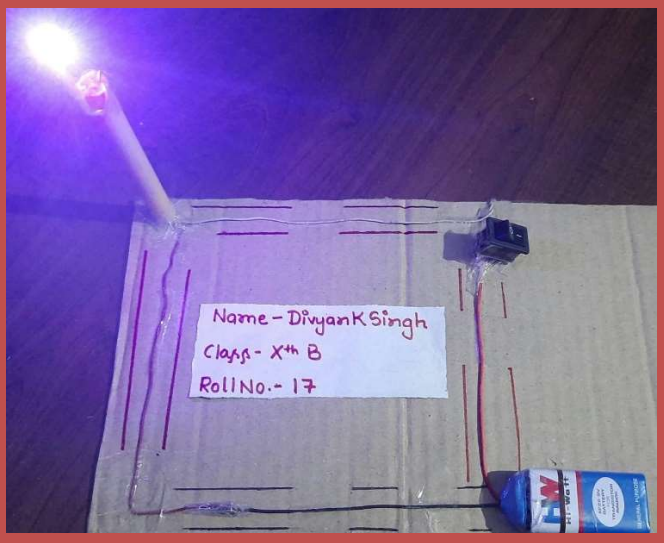

खेलकूद गतिविधियां

MAKE WAY TO A HEALTHY LIFE
DON'T GO THE FAST FOOD WAY
DRINK MORE WATER
BELIEVE YOURSELF
USE ME

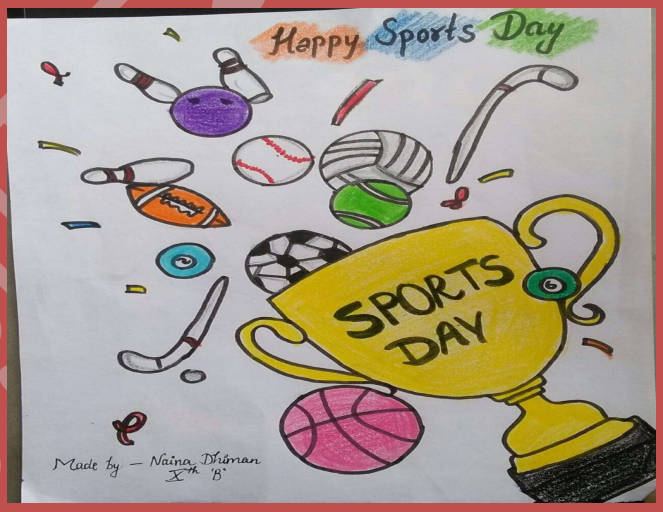
Happy Sports Day
SPORTS DAY
Made by – Naina Dhiman
X th B

INDIA AND SPORTS

आर्ट कॉर्नर

Arunachal
Pradesh

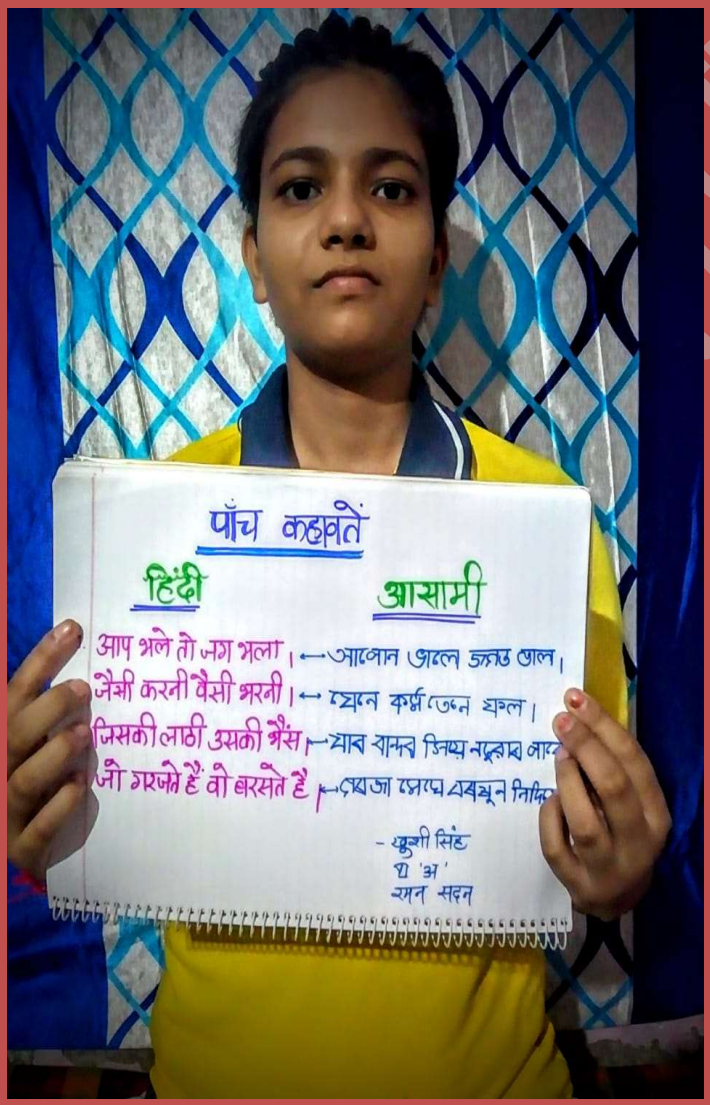

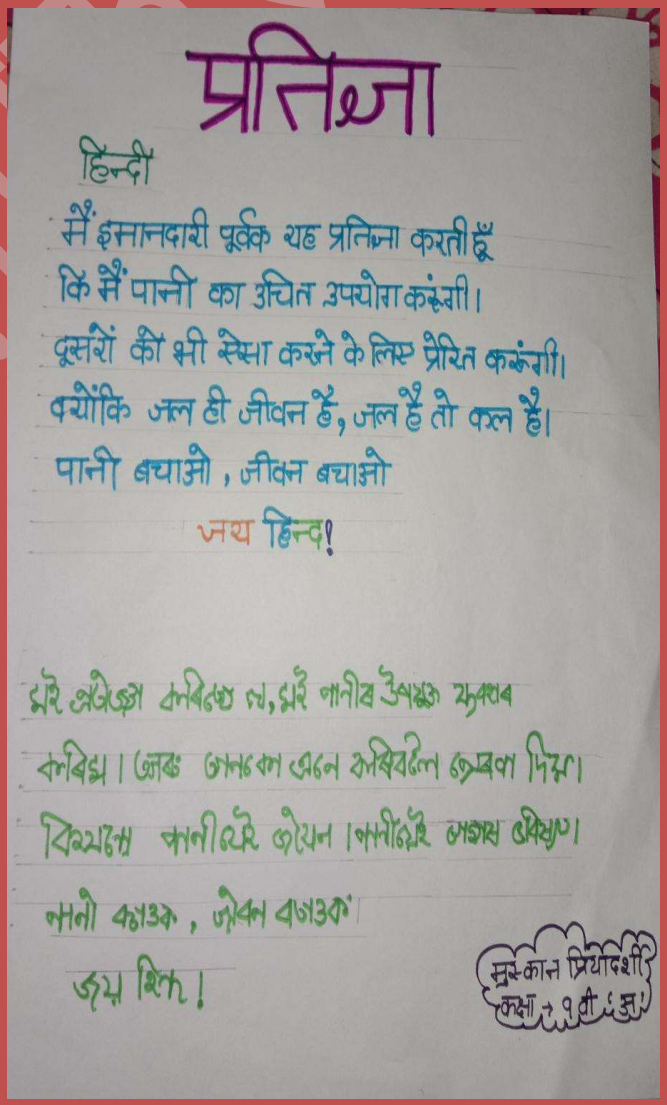

पाँच कहावतें
हिंदी
आसामी
आप भले तो जग भला।
जैसी करनी वैसी भरनी।
जिसकी लाठी उसकी भैंस।
जो गरजते हैं वो बरसते हैं।
- खुशी सिंह
9 'अ'
रमन सदन

प्रतिज्ञा
हिन्दी
मैं इमानदारी पूर्वक यह प्रतिज्ञा करती हूँ
कि मैं पानी का उचित उपयोग करूंगी।
दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करूंगी।
क्योंकि जल ही जीवन है, जल है तो कल है।
पानी बचाओ, जीवन बचाओ
जय हिन्द!
मुस्कान प्रियदर्शी

स्वच्छता अभियान

hemant Kumar 7b
gandgi mukt Bharat

Gandgi mukt bharat
pe poster
NAME: SHIVANSH
CLASS: VI
ROLL NO: 27

एनसीसी कॉर्नर

स्काउट एण्ड गाइड कॉर्नर

इतिश्री.....